डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -76 | प्रयागराज, शनिवार 27 मई,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

आई पी एस मनीष सैंडिल्या पुलिस अधीक्षक...

सिनेमाःफिल्म 'बाजीगर' में श्रीदेवी को...

संक्षिप्त समाचार

ट्रॉली बैग में मिला होटल व्यवसायी का शव तीन लोग हिरासत में

मलप्पुरम। केरल पुलिस को दो ट्रॉली बैग में शुक्रवार को एक शव मिला और संदेह है कि यह कोझीकोड जिले के एक रेस्त्रां के लापता मालिक का है। पुलिस ने बताया कि सिद्दीकी (58) का शव अट्टापडी घाट रोड पर एक गड्ढे में मिला और तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। मलप्पुरम के पुलिस अधीक्षक एस सुजीत दास ने मीडिया को बताया कि ऐसा संदेह है कि सिद्दीकी के होटल के एक पूर्व कर्मचारी शिबिली और आरोपी की एक महिला मित्र शरफाना ने उसकी हत्या की। उन्होंने कहा, "दोनों फरार थे लेकिन रेलवे पुलिस की मदद से चेन्नई में उन्हें हिरासत में ले लिया गया। हमारा दल वहां पहुंच गया है और वे उन्हें जल्द ही यहां लेकर आएंगे।" सिद्दीकी 18 मई से कोझीकोड से लापता था और उसके परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिबिली के एक और मित्र के बयान से शव के बारे में सूचना मिली थी।

चोरी के संदेह में व्यक्ति की पीट-पीटकर जान लेने के मामले में पांच गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने उपनगर बोरीवली में चोरी के संदेह में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर जान लेने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना बृहस्पतिवार देर रात की है। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने प्रवीण शांताराम लहाणे (29) के साथ देर रात एक बजकर 15 मिनट पर उस वक्त मारपीट की जब वह बोरीवली (पूर्व) में कस्तूरबा मार्ग पुलिस थाने के अंतर्गत उनके इलाके से गुजर रहा था। लोगों को संदेह था कि वह चोर है। सूचना मिलने पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा और व्यक्ति को भीड़ से बचा कर अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया, "प्रारंभिक जांच के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। फिरउसे पुलिस थाने लाया गया। लेकिन कुछ देर में उसे बेचैनी की शिकायत हुई और उसे दोबारा उसी अस्पताल ले जाया गया जहां उसे पहले ले जाया गया था। वहां उसकी मौत हो गई।" पुलिस ने भारतीय दंड संहिता के विभिन्न प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है तथा इस मामले में कुछ अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

भारत की स्वतंत्रता का प्रतीक है सेंगोल', अमित शाह बोले कांग्रेस को भारतीय परंपराओं और संस्कृति से नफरत क्यों?

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में नई संसद भवन के उद्घाटन को लेकर राजनीतिक बवाल जारी है। विपक्ष इसके उद्घाटन के बहिष्कार की बात कर रहा है। इन सब के बीच नए संसद भवन में राजदंड सेंगोल स्थापित करने पर भी विवाद जारी है। अब इसी को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर निसाना साधा है। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भारतीय परंपराओं और संस्कृति से इतनी नफरत क्यों करती है? उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में तमिलनाडु के एक पवित्र शैव मठ द्वारा पंडित नेहरू को एक पवित्र सेंगोल दिया गया था, लेकिन इसे 'चलने की छड़ी' के रूप में एक संग्रहालय में भेज दिया गया था।

शाह न आगे कहा कि अब कांग्रेस ने एक और शर्मनाक अपमान किया है। उन्होंने कहा कि एक पवित्र शैव मठ, थिरुवदुथुराई अधीनम ने स्वयं भारत की स्वतंत्रता के समय सेंगोल के महत्व के बारे में बात की थी। कांग्रेस अधीनम के इतिहास को झूठा बता रही है! उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस को अपने व्यवहार पर विचार करने की जरूरत है। नए संसद भवन में स्थापित होने वाला 'राजदंड' अगस्त 1947 में अंग्रेजों से भारत को सत्ता के हस्तांतरण के प्रतीक के रूप में नेहरू को दिया गया था। इसे इलाहाबाद संग्रहालय की नेहरू गैलरी में रखा गया था। कांग्रेस के जयराम रमेश ने कहा कि क्या यह कोई आश्चर्य की बात है कि नई संसद को व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी के झूठे आख्यानों से पवित्र किया जा रहा है? अधिकतम दावों, न्यूनतम साक्ष्यों के साथ भाजपा/आरएसएस के ढोंगियों का एक बार फिर से पर्दाफाश हो गया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि तत्कालीन मद्रास प्रांत में एक धार्मिक प्रतिष्ठान द्वारा कल्पना की गई और मद्रास शहर में तैयार की गई राजसी राजदंड वास्तव में अगस्त 1947 में नेहरू को प्रस्तुत किया गया था। माउंटबेटन, राजाजी और नेहरू द्वारा इस राजदंड को भारत में ब्रिटिश सत्ता के हस्तांतरण के प्रतीक के रूप में वर्णित करने का कोई दस्तावेजी साक्ष्य नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरी तरह से और कुछ लोगों के दिमाग में निर्मित और व्हाट्सएप में फैल गया, और अब मीडिया में ढोल पीटने वालों के लिए। त्रुटिहीन साख वाले दो बेहतरीन राजाजी विद्वानों ने आश्चर्य व्यक्त किया है। राजदंड को बाद में इलाहाबाद संग्रहालय में प्रदर्शन के लिए रखा गया था। 14 दिसंबर, 1947 को नेहरू ने वहां जो कुछ कहा, वह सार्वजनिक रिकॉर्ड का मामला है, भले ही लेबल कुछ भी कहें।

गांधी परिवार और आम आदमी पार्टी की तरफ से टैक्स निर्धारण को चुनौती देने वाली याचिका को दिल्ली हाई कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, आम आदमी पार्टी और अन्य धर्मार्थ ट्रस्टों द्वारा अपने कर निर्धारण को केंद्रीय सर्कल में स्थानांतरित करने के आयकर अधिकारियों के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की खंडपीठ ने याचिकाओं को खारिज कर दिया और कहा कि स्थानांतरण कानून के अनुसार था।

हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि उसने गुण-दोष के आधार पर मामले की जांच नहीं की। फैसले की विस्तृत प्रति का इंतजार है। जिन चैरिटेबल ट्रस्टों की याचिकाएं भी खारिज की गई हैं उनमें संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट, जवाहर भवन ट्रस्ट, राजीव गांधी फाउंडेशन, राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट और यंग इंडियन शामिल हैं। पीठ ने कहा कि पक्ष उचित वैधानिक प्राधिकरण के समक्ष अपनी दलीलें रखने के लिए स्वतंत्र हैं। अदालत ने यह भी कहा कि सेंट्रल सर्किल को उनके मूल्यांकन का स्थानांतरण एक समन्वित जांच के लिए था और आईटी अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों को बरकरार रखा। अदालत ने कहा कि पूर्ववर्ती टिप्पणियों के मद्देनजर, लंबित आवेदनों के साथ रिट याचिकाओं को लागत के बिना बिना किसी आदेश के खारिज कर दिया जाता है। गांधी और धर्मार्थ ट्रस्टों ने आकलन वर्ष 2018-19 के लिए अपने मामलों को सेंट्रल सर्किल में स्थानांतरित करने के प्रधान आयकर आयुक्त द्वारा जारी आदेश को चुनौती दी थी।

अभिषेक बनर्जी को राहत नहीं,ईडी-सीबीआई की जारी रहेगी पूछताछ, 25 लाख रुपए के जुर्माने पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को फिलहाल राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के उस निर्देश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय को पश्चिम बंगाल स्कूल नौकरियों घोटाले के सिलसिले में अभिषेक बनर्जी से पूछताछ करने के लिए कहा गया था। हालांकि, शीर्ष अदालत ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस निर्देश पर भी रोक लगा दी, जिसमें रिकॉल अर्जी दाखिल करने के लिए उस पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। कोर्ट ने मामले को 10 जुलाई को सूचीबद्ध किया है।

घोटाले के सिलसिले में पूछताछ के लिए सीबीआई द्वारा बुलाए जाने के कुछ दिनों बाद सोमवार को बनर्जी ने जोर देकर कहा कि 'केंद्रीय एजेंसियों की धमकियां' उन्हें सार्वजनिक सेवा से नहीं रोक सकतीं। सीबीआई और ईडी पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती में अनियमितताओं में अभिषेक बनर्जी की कथित भूमिका की जांच कर रहे थे। भर्ती घोटाला 2016 में बंगाल की शिक्षा प्रणाली में हजारों शिक्षकों की भर्ती से संबंधित है।

भर्ती प्रक्रिया में विसंगतियों का आरोप लगाते हुए उच्च न्यायालय में याचिकाओं की एक श्रृंखला दायर की गई थी, और कई मामले अदालत द्वारा उठाए गए थे।

डायमंड हार्बर से तृणमूल कांग्रेस के सांसद बनर्जी ने केंद्रीय एजेंसी को चुनौती दी कि अगर '' उसके पास उनके खिलाफ भ्रष्टाचार अथवा कदाचार के सबूत हैं, तो वह उन्हें गिरफ्तार करे।'' तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने अपना जनसंपर्क अभियान 'तृणमूले नवज्वार'सोमवार को पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले से फिर से शुरू किया। बनर्जी ने अपना यह जनसम्पर्क अभियान पिछले सप्ताह शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में सीबीआई द्वारा तलब किए जाने के बाद दो दिनों के लिए स्थगित कर दिया था।

आध्यात्म भारत का 'सॉफ्ट पावर' हैः गुरु रामदेव

नई दिल्ली। योग गुरु रामदेव ने आध्यात्म को भारत का 'सॉफ्ट पावर' बताते हुए कहा कि योग तनाव एवं घबराहट जैसी समस्याओं का समाधान करता है, जिनसे दुनियाभर के लोग जूझ रहे हैं। रामदेव ने गोवा पर्यटन विभाग से छुट्टियां मनाने आने वाले लोगों के लिए होटल में योग और ध्यान कार्यक्रम शुरू करने की अपील की। गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन खुंटे ने केंद्र के ''देखो अपना देश'' कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए गोवा और उत्तराखंड सरकार द्वारा की गई पहल के तहत बुधवार को हरिद्वार में रामदेव से मुलाकात की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को देश की समृद्ध विरासत और विविध संस्कृति को समझने और इसका अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित करना है।गोवा और उत्तराखंड की सरकारों ने 'कल्याण पर्यटन' को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

10 साल के लिए राहुल गांधी को क्यों चाहिए पासपोर्ट स्वामी ने कोर्ट में दाखिल किया जवाब, अदालत ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने राहुल गांधी के पासपोर्ट मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत आज ही यानी 26 मई को दोपहर एक बजे के करीब इस मामले में अपना आदेश पारित करेगी। राहुल गांधी ने 10 साल के लिए एनओसी की मांग को लेकर कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इस याचिका का सुब्रमण्यम स्वामी ने विरोध किया है। भाजपा नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने राहुल गांधी की नई पासपोर्ट याचिका का विरोध करते हुए दिल्ली की अदालत में जवाब दाखिल किया है। स्वामी ने कहा है कि आवेदक के पास 10 साल के लिए पासपोर्ट जारी करने का कोई वैध या प्रभावी कारण नहीं है।

स्वामी ने अपने आवेदन में कहा है कि 10 साल के लिए पासपोर्ट जारी करने के लिए किसी योग्यता से रहित है। स्वामी का तर्क है कि अदालत के पास न्याय और कानून से संबंधित सभी प्रासंगिक कारकों के व्यापक विश्लेषण के आधार पर अनुमति देने की शक्ति है, जिससे उन्हें आवेदक के मुकदमे का फैसला करने में अपने विवेक का प्रयोग करने की अनुमति मिलती है। उन्होंने कहा

कि आवेदक के लिए पासपोर्ट के लिए एनओसी 1 वर्ष से अधिक नहीं हो सकती है और सालाना या इस न्यायालय द्वारा उचित समझे जाने पर इसकी समीक्षा की जा सकती है। स्वामी ने कहा कि पासपोर्ट रखने का अधिकार, अन्य सभी मौलिक अधिकारों की तरह, एक पूर्ण अधिकार नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और अपराध की रोकथाम के हित में सरकार द्वारा लगाए गए उचित प्रतिबंधों के अधीन है। स्वामी ने कहा कि राहुल गांधी ने गृह मंत्रालय द्वारा उनकी नागरिकता को लेकर जारी नोटिस का जवाब अभी तक नहीं दिया है। सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा कि 29 अप्रैल 2019 को मंत्रालय ने राहुल गांधी से उनकी नागरिकता के बारे में 15 दिन के अंदर तथ्यात्मक जानकारी मुहैया कराने को कहा था। लेकिन अभी तक उन्होंने इस संबंध में अपेक्षित एजेंसी को जवाब नहीं दिया है।

नाच न जाने, आंगन टेढ़ा वाली कहावत केजरीवाल पर फिट बैठती है, कांग्रेस का आम आदमी पार्टी के 'फुल पॉवर' वाली डिमांड पर करारा प्रहार

नई दिल्ली (एजेसी)।कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली के

एकमात्र मुख्यमंत्री हैं जो काम करने के लिए पूरी ताकत मांग रहे हैं और अपनी विफलता के लिए बाहरी कारकों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शीला दीक्षित 15 वर्षों तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं, जिन्होंने अपने समय में केंद्र में भाजपा सरकार होने पर भी समान शक्तियों के साथ कई विकासात्मक परियोजनाओं की शुरुआत की। हमने जब भी केंद्र सरकार से मांग उठाई तो उसके साथ मिलकर काम करने की कोशिश की और सफलतापूर्वक काम किया। कोई आश्चर्य नहीं कि 150 फ्लाईओवर बनाए गए, मेट्रो शुरू की गई और सीएनजी/स्वच्छ ईंधन लाया गया और उद्योगों को स्थानांतरित किया गया। खेड़ा ने यह भी दावा किया कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें पूर्ण अधिकार देने के अपने आग्रह में अनूठे नेता है। ऐसे राज्य का नेतृत्व करने वाले किसी अन्य राजनेता ने कभी नहीं किया। क्या कारण है कि अरविंद केजरीवाल सभी शक्तियों को मांगने वाले अकेले सीएम हैं? न तो मदन लाल खुराना, न साहिब सिंह वर्मा, न ही सुषमा स्वराज, और न ही शीला दीक्षित जी ने ऐसी मांग की थी। पवन खेड़ा ने कहा कि लेकिन अरविंद केजरीवाल एकमात्र मुख्यमंत्री हैं जो कार्य करने के लिए पूर्ण शक्ति चाहते हैं। आप अपनी असफलता के लिए बाहरी कारकों को जिम्मेदार ठहराते हैं। दिल्ली में ग्रुप-ए के अधिकारियों के स्थानांतरण और नियुक्ति के लिए एक प्राधिकरण बनाने की मांग करने वाले केंद्र के अध्यादेश के दिल्ली के मुख्यमंत्री के विरोध के बारे में पूछे जाने पर पवन खेड़ा ने कहा कि हिंदी कहावत 'नाच न जाने, आंगन टेढ़ा' आदर्श रूप से केजरीवाल पर फिट बैठती है।

दिन के समय गर्मी का प्रकोप जारी, बाद में आंधी की मार

ओडिशा। दिन के समय भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहा, जबकि दोपहर में आंधी ने कई इलाकों में नुकसान पहुंचाया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, आंधी के कारण कई पेड़ उखड़ गए और बिजली की लाइनें टूट गईं, जिससे भुवनेश्वर, पुरी, पिपिली और कटक में कई जगहों पर बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई। संबलपुर, सुंदरगढ़, ढेंकानल, कोरापुट, कटक और नबरंगपुर के इलाकों में कच्चे घर भी क्षतिग्रस्त हो गए। विशेष राहत आयुक्त सत्यव्रत साहू ने प्रभावित जिलों को बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए बिजली वितरण कंपनियों से संपर्क करने और उखड़े हुए पेड़ों और टूटी शाखाओं को हटाने के लिए अग्निशमन विभाग के कर्मियों की मदद लेने को कहा है। उन्होंने जिलों से मकानों को हुए नुकसान और हताहतों की संख्या की रिपोर्ट मांगी है। आईएमडी ने कहा कि दिन के दौरान राज्य के पश्चिमी भाग में 14 स्थानों पर अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया, जिसमें तालचेर सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सीएम योगी की मेहनत पर पानी फेरते कर्तव्यविमूढ़ अधिकारी

लखनऊ (एजेंसी)। लाउस्पीकर के कानफोडू आवाज की कि जाए तो कुछ माह पूर्व सहज संवाद के माध्यम से मुख्यमंत्री ने धर्मस्थलों से लाउडस्पीकर हटाये जाने की अभूतपूर्व कार्रवाई सम्पन्न की थी। तब योगी के आहवान पर लोगों ने व्यापक जनहित को प्राथमिकता देते हुए स्वतःस्फूर्त से लाउडस्पीकर हटाये थे, लेकिन धीरे-धीरे लाउडस्पीकर की आवाज बढ़ने लगी। उत्तर प्रदेश में धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों की आवाज एक बार फिर से कानफोडू हो गई है जिससे उन लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जो ऐसे धार्मिक स्थलों के आसपास रहते हैं। खासकर पढ़ने-लिखने वाले बच्चों और बीमार बुजुर्गों को इससे काफी परेशानी होती है। यह अच्छी बात है कि मुख्यमंत्री योगी आदत्यिनाथ ने इसका संज्ञान लेते हुए एक बार फिर लाउडस्पीकर की बढ़ती ध्वनि को नियंत्रित कराने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

गौरतलब हो कुछ माह पूर्व योगी सरकार ने धार्मिक स्थलों से अवैध लाउडस्पीकर उतारने और अन्य लाउडस्पीकरों की आवाज नियंत्रित करने का अभियान चलाया था, जिसका अच्छा रिसपांस आया था। मगर धीरे-धीरे धार्मिक स्थलों के लाउडस्पीकर पुराने ढर्रे पर आकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने लगे। ऐसा इस लिए हुआ क्योंकि सरकारी अमले ने इस ओर से आखें मूंद ली थी। ऐसे में लाख टके का सवाल यही है कि मुख्यमंत्री को क्यों बार-बार पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों

को उनकी जिम्मेदारी का अहसास कराना पड़ता है। यह कोई अकेले एक समस्या नहीं है जिसको लेकर अधिकारी लापरवाही करते नजर आ रहे हैं। सरकार कर्मचारियों के चलते सरकार की कई महत्वाकांक्षी योजनाएं तक कच्छप गति से चलती नजर आती हैं। सरकारी कर्मचारियों की कामचोरी की प्रवृति के चलते ही वर्षो के बाद भी ट्रैफिक जाम, अतिक्रमण, बिजली चोरी, साफ सफाई जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। इन्हीं वजहों से अमूमन सरकारी कर्मचारियों की इमेज कामचोरों वाली बनती जा रही है। आखिर क्यों सरकार को राज्य के विकास कार्यों में तेजी लाने और जनता से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए अपने अधिकारियों को हनुमान जी की तरह उनकी शक्तियों का अहसास कराना पड़ता है। जबकि इन्हीं कामों के लिए सरकारी कर्मचारी और अधिकारियों को सरकार हर महीने मोटा वेतन देती हैं। बजट का एक बड़ा हिस्सा सरकारी कर्मचारियों के वेतन पर खर्च हो जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार के बजट के अनुसार उसे प्राप्त होने वाले कुल राजस्व प्राप्तियों का 55.4 प्रतिशत हिस्सा वेतन, पेंशन और ब्याज की अदायगी पर खर्च हो जाता है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में राज्य सरकार के कर्मचारियों के वेतन पर 1,53,569.66 करोड़ रुपये, पेंशन पर 77,077.75 करोड़ रुपये का खर्च होने का अनुमान है। इस हिसाब से कुल राजस्व प्राप्तियों में वेतन, पेंशन और ब्याज की अदायगी की हिस्सेदारी 55.4 प्रतिशत है। वहीं कुल राजस्व व्यय के अनुपात में यह 60.7 प्रतिशत है। यदि सरकार को यह भारी भरकम राशि सरकारी कर्मचारियों के वेतन आदि पर नहीं खर्च करनी पड़े तो विकास की गति दुगनी से भी अधिक तेजी से दौड़ सकती है। सरकारी कर्मचारियों की लालफीताशाही और काम नहीं करने की आदत के चलते ही तमाम सरकारें अपने-अपने क्षेत्र में निजीकरण को बढ़ावा दे रही हैं।

बात लाउस्पीकर के कानफोडू आवाज की कि जाए तो कुछ माह पूर्व सहज संवाद के माध्यम से मुख्यमंत्री ने धर्मस्थलों से लाउडस्पीकर हटाये जाने की अभूतपूर्व कार्रवाई सम्पन्न की थी। तब योगी के आहवान पर लोगों ने व्यापक जनहित को प्राथमिकता देते हुए स्वतःस्फूर्त से लाउडस्पीकर हटाये थे, लेकिन धीरे-धीरे लाउडस्पीकर की आवाज बढ़ने लगी। अवैध लाउडस्पीकर भी दोबारा टांग दिए गए हैं। गत दिनों सीएम योगी ने कहा था कि हाल के दिनों में जनपदीय दौरों के समय मैंने अनुभव किया है कि कुछ जिलों में पुनः यह लाउडस्पीकर लगाए जा रहे हैं।

कांग्रेस कमेटी का ईद मिलन समारोह संपन्न

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। सोरांव के पडरैया ग्राम सभा में कांग्रेस कमेटी का ईद मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छेत्र के सभ्रांत व्यक्तियों ने भाग लिया और एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शेखर बहुगुणा ने कहा कि ईद मिलन समारोह देसी संस्कृति धरोहर को मजबूत करो धर्म सद्भाव पैगाम लोगों को मकसद से मिलन समारोह का आयोजन किया गया उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा धर्म इंसानियत का धर्म है ईद का पर्व आपस में मिलजुल कर रहने की प्रेरणा देता है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सदस्य अशफाक अहमद ने कहा कि ईद मिलन समारोह देश की सांस्कृतिक धरोहर कौमी एकता को मजबूती प्रदान करने तथा सर्व धर्म सद्भाव का पैगाम मुल्क के लोगों को दिया जाता है।श्री अहमद ने कहा कि जिस तरह से पूरे देश भर में ईद मिलन समारोह का प्रोग्राम किया जाता है यहां सभी धर्मों के लोग एक साथ मिलकर त्यौहार मनाते हैं जो एकता अखंडता सद्भावना की मिसाल है। विशिष्ट अतिथि डॉ जगत नारायण सिंह ने कहा कि ईद हमें यह संदेश देती है

कि हमें समाज में एक जुट होना चाहिए और समाज में एक दूसरे के साथ समझदारी और अनुभवों को बांटना चाहिए उन्होंने कहा कि इसके साथ में हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमें अपने धर्म और मूल्यों के प्रति सम्मान रखना चाहिए और दूसरे के धर्म और मूल्यों का भी सम्मान रखना चाहिए। विशिष्ट अतिथि रस्मिता दुबे ने कहा कि ईद का त्योहार मूल रुप से भाईचारे को बढ़ावा देता है और उन्होंने कहा कि यह त्यौहार नवजीवन का संचार करता है इस त्यौहार से इस्लामिक जीवन पद्धति एवं संस्कृत का अद्भुत परिचय मिलता है यह त्यौहार हमें प्रसंता समानता भाईचारे व निस्वार्थ मेल मिलाप का संदेश देता है।कांग्रेस के राष्ट्रीय सदस्य अशफाक अहमद ने कहा कि ईद मिलन समारोह देश की सांस्कृतिक धरोहर कौमी एकता को मजबूती प्रदान करने तथा सर्व धर्म सद्भाव का पैगाम मुल्क के लोगों को दिया जाता है।कार्यक्रम के संयोजक मोहम्मद शमीम प्रधान ने कहा कि यह देश सभी धर्मों के वर्ग का देश है किसी भी मूल को समाज वह कौम की तरक्की के लिए लोगों में आपसी प्रेम वह सद्भाव जरूरी है। रंजना राय ने कहा कि हिंदू मुस्लिम कंधे से कंधा मिलाकर जब साथ चलेंगे तो राष्ट्र समृद्धि होगा और आपसी प्रेम बढ़ेगा। मोहम्मद सददाम ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर मोहम्मद फारूक राईन,घनश्याम पटेल,कल्लन भाई,रामजी पटेल, नन्दू पासी,मोहम्मद फारूक,सुरेंद्र यादव,मोहम्मद यूसुफ,समीर गौतम,फिरोज अहमद,मोहम्मद सद्दाम,अमनेश दुबे,शमीम हाशमी, अंसार अली,मोहम्मद मुन्ताज, शिवप्रसाद प्रजापति,अमरजीत यादव, मोहम्मद रउफ, मोहम्मद मजहर, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद जहीर, मोहम्मद सरफराज, मोहम्मद इजलान, मोहम्मद एकलाख, मोहम्मद अली, महेंद्र दुबे,

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में निरंजन पुल विस्तारीकरण के कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

प्रयागराज । जिलाधिकारी ने मैन पॉवर बढ़ाकर कार्य को जून के अंतिम सप्ताह तक पूर्ण कराये जाने के दिए निर्देश जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में गुरूवार को निरंजन पुल विस्तारीकरण के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कार्य को मैन पॉवर बढ़ाकर जल्द से जल्द पूर्ण किया जाये। उन्होंने रेलवे के मुख्य अभियंता को मैन पॉवर बढ़ाकर जून के अंतिम सप्ताह तक हर हाल में कार्य को पूर्ण कराये जाने के लिए कहा है। इसी क्रम में उन्होंने नगर निगम को एक सप्ताह में सिवर लाइन शिफ्टिंग करने के भी निर्देश दिये है। जलकल विभाग को 10 दिनों में पाइप लाइन शिफ्ट करने के निर्देश दिए है। सहायक अभियंता विद्युत को एक सप्ताह में लाइन शिफ्ट करने के निर्देश दिये है। इस अवसर पर एडीएम सिटी श्री मदन कुमार, मुख्य अभियंता रेलवे श्री नरेन्द्र सिंह, जलकल के महाप्रबंधक श्री कुमार गौरव, अपर पुलिस आयुक्त यातायात श्री सीताराम, सहायक अभियंता विद्युत श्री वी0वी0 राय सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हेमवती नंदन बहुगुणा के याद में एक संगोष्ठी

आधुनिक समाचार सेवा

फुलपुर क्षेत्र के उन सम्मानित सभी मित्रों को अपनें आवास फूलपुर लोचनगंज पर माननीय प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी संसद सदस्य (लोकसभा) के द्वारा उनके यशस्वी पिता स्व.हेमवती नंदन बहुगुणा,प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व पूर्व केन्द्रीय

मंत्री तथा उ.प्र.के मुख्यमंत्री की याद मे जो स्व.बहुगुणा जी के बहुत ही करीब

रहे हैं और जिनके परिवार मे बहुगुणा जी व स्व.श्रीमती कमला बहुगुणा जी सांसद व उनके परिवार जन प्रायः आते जाते रहे हैं ,को आमंत्रित करके उन्हें स्व.बहुगुणा जी का एक चित्र, संगठन का पटका ,उनकी जीवनी भेंट स्वरूप देनें का सौभाग्य मिला।हम सभी उपस्थित बहुगुणाइट मित्रों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिन्होनें इस कार्यक्रम मे पधारने का कष्ट किया है। पधारे हुये वे सम्मानित व्यक्ति हैं ,जिनके स्व.पिता जी व पूर्वज स्व.ब्रह्मादास पाण्डेय पूर्व ब्लाक प्रमुख हंडिया(सेवना), स्व.राजेश्वरप्रतापसिंह,पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतापपुरस्व. प्रेम धर द्विवेदी रिटायर्ड अधिकारी खादी ग्रामोद्योग संहसों ,स्व.माता प्रसाद तिवारी कोआपरेटिव बैंक मैनेजर तथा स्व.सत्यप्रकाश पांडेय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रतापपुर ,पंडित कमलाकान्त मिश्र उपाध्यक्ष, जिलाउपाध्यक्ष बहुगुणा स्मृति समिति आदि पूव.बहुगुणा जी के परमप्रिय व्यक्तियों में रहे। सादर- - गोपाल कृष्ण द्विवेदी (राजाबाबू) एडवोकेट हाईकोर्ट इलाहाबाद, नि.फूलपुर प्रयागराज, जिला उपाध्यक्ष हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति प्रयागराज।

बीडीओ फूलपुर के त्वरित एंक्शन पर ग्रामीण खुश

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। पिछले सप्ताह मौसम के तल्ख तेवर और 44 डिग्री तापमान के चलते जहां लोग घरों में दुबकने को मजबूर थे। ऐसे में मैलहन बाजार के 3 हैंडपंप दगा दे गए, दो हैंडपंप तो मेन मार्केट के थे। जिससे सहालग के समय बूंद बूंद पानी को तरस गए। परंतु अचानक तीनों हैंडपंप की वीडियो जब खंड विकास अधिकारी फूलपुर एचपी बर्मा के पास व्हाट्सएप से भेजी गई तो उन्होंने अविलंब संज्ञान में लेते हुए सचिव अनिल मौर्या को निर्देशित किया। उन्होंने ताबड़तोड़ कारीगरों को भेजकर शुक्रवार को ही सब की मरम्मत करा दी। त्वरित एक्शन हेतु मुकेश गुप्ता, मोहम्मद आरिफ, रहमान, फिरोज, मच्छू, सादिक बाबा, अनुपम गुप्ता, लालजी मोदनवाल, किशन कुमार, मोहम्मद एजाज, सरफराज आदि ने खंड विकास अधिकारी फूलपुर को बधाई दी है।

नए मेयर ने 100 पार्षदों के साथ ली शपथ

डिप्टी सीएम केशव मौर्य रहे मौजूद, अभिलाषा गुप्ता ने गणेश केसरवानी को सौपी गदा

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। प्रयागराज में मेयर निर्बल शोषित हमारा आम दल और 100 पार्षदों ने शपथ ग्रहण की। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मंच पर मौजूद रहे। मेयर गणेश केसरवानी को पूर्व मेयर अभिलाषा गुप्ता ने गदा भेंट की। इस आयोजन में करीब 5 हजार लोग मौजूद रहे। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद ने सभी नए चुनकर आए मेयर और पार्षदों को बधाई दी। शपथ ग्रहण में 100 पार्षदों को भी शपथ दिलाई गई.इसमें सबसे ज्यादा पार्षद भाजपा के ही हैं। मेयर गणेश

केसरवानी के साथ 56 पार्षद भाजपा के हैं। निर्दल पार्षदों की संख्या 19 है, जबकि सपा के 16 पार्षद ने भी शपथ ली। कांग्रेस पार्टी के चार, एमआईएम, बसपा व के 2-2 पार्षद चुनाव जीतकर आए थे। उन्होंने ने भी शपथ ली। शपथ ग्रहण से पहले शुक्रवार सुबह तेज आंधी और बारिश के साथ हवाए चली। केपी कालेज मैदान में बने पंडाल गिर गए। और चारों तरफ बरसात का पानी भर गया। शपथ ग्रहण समारोह सुबह 10 बजे होना था लेकिन मौसम खराब होने के कारण समारोह काफी देर हो गई आनन-फानन में निगम के आलाधिकारियों के साथ कर्मचारियों ने व्यवस्था को सूचारू रूप से स्थापित किया। फिर जाकर कार्यक्रम चालू हुआ।

धर्म स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों को उतरवाने के आदेश से मची खलबली

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। प्रदेश के मुखिया द्वारा आए दिन एक नया फरमान जारी करने से लोगों में हड़कंप मचा है। सप्ताह भर पूर्व अवैध वाहन अड्डो के खिलाफ स्थानीय प्रशासन को कड़ी कार्यवाही के आदेश दिए गए थे। उस पर अभी तक अमल हो नहीं पाया था। तभी धर्म स्थलों पर पुनः बेधड़क लाउडस्पीकरो के प्रयोग पर सरकार ने पुनः शख्ती दिखाई। फिलहाल अभी तक किसी भी मंदिर मस्जिद के हार्न उतारे नहीं जा सके ना ही हार्नो की संख्या एवं ध्वनि नियंत्रण ही हो सका। फिलहाल स्थानीय पुलिस सभी से संपर्क साध कर हार्न की संख्या एवं ध्वनि की तीव्रता घटाने के निर्देश दे रही है। देखना है, ऊट किस करवट बैठता है।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

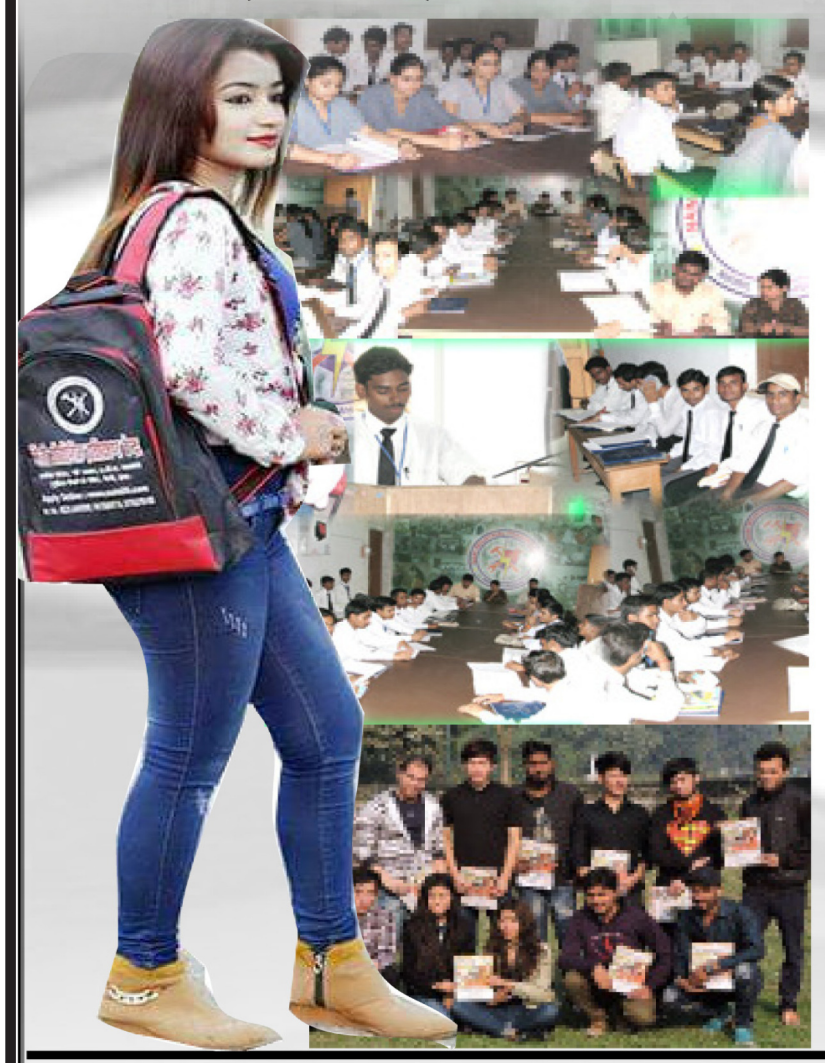

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873
➪ एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
➪ C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

दहेज हत्याः दोषी पति-ससुर को उम्रकैद,26- 26 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

साढ़े 13 वर्ष पूर्व दहेज में मोटरसाइकिल नहीं मिलने पर पन्ना देवी को जलाकर मारने का था आरोप

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। साढ़े 13 वर्ष पूर्व दहेज में मोटरसाइकिल नहीं मिलने पर पन्ना देवी को जलाकर मारने के मामले में शुक्रवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम खलीकुज्जमा की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी पति -ससुर को उम्रकैद व 26- 26 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक मांची थाना क्षेत्र के ढोसरा गांव निवासी शंकर यादव पुत्र राजा यादव ने रायपुर थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसने अपनी बेटी पन्ना देवी की शादी जून 2007 में रामानंद यादव पुत्र बचाऊ यादव निवासी ग्राम डीबा (देवरी मय देवरा), थाना रायपुर, जिला सोनभद्र के साथ किया था। शादी में अपनी सामर्थ्य अनुसार उपहार दहेज दिया था। नवंबर 2008 में गौना होने पर बेटी विदा होकर अपनी ससुराल चली गई। जहां पर दहेज में मोटरसाइकिल की मांग को लेकर पति रामानंद यादव,ससुर बचाऊ यादव व देवर शिवानंद यादव द्वारा बेटी पन्ना देवी को प्रताड़ित किया जाने लगा। यहां तक धमकी दी जा रही थी कि अगर दहेज की मांग पूरी नहीं हुई तो बेटी पन्ना देवी को मारकर रास्ते से हटा दिया जाएगा और रामानंद यादव की दूसरी शादी कर दी जाएगी। जब बेटी से मिलने अपने साले श्याम बिहारी यादव के साथ उसकी ससुराल गया था तो दहेज की मांग और प्रताड़ना की बात बताई थी तो उसके पति, ससुर और देवर से प्रताड़ित न करने की विनती करके बेटी पन्ना देवी को ढाढस बंधाया और अपने घर आ गया। पुनः सभी लोग मोटरसाइकिल की मांग को लेकर बेटी को प्रताड़ित करने लगे। करीब चार माह बाद बेटी को विदा कराकर अपने घर ले आया। बेटी ने प्रताड़ना व दहेज में मोटरसाइकिल की मांग के बारे में बताया और दुबारा ससुराल जाने से इनकार कर दिया, लेकिन काफी समझाने के बाद कि आगे चलकर सब ठीक हो जाएगा बेटी अपनी ससुराल गई। जब मांग पूरी नहीं हुई तो 27 सितंबर 2009 को बेटी पन्ना देवी को जलाकर मार दिया गया। सूचना मिलने पर जब बेटी के घर गांव के लोगों के साथ पहुंचा तो देखा बेटी की लाश जली हुई पड़ी थी। उसे पूर्ण विश्वास है कि दहेज में मोटरसाइकिल की मांग पूरी न होने पर बेटी पन्ना देवी को उसका पति, ससुर व देवर ने जलाकर मार दिया है। इस तहरीर पर पति, ससुर व देवर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना की गई। मामले की विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने न्यायालय में पति रामानंद यादव, ससुर बचाऊ यादव व देवर शिवानंद यादव के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल किया था। अदालत ने देवर शिवानंद के नाबालिक होने की वजह से उसके मामले को किशोर न्यायालय में भेज दिया गया। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी पति रामानंद यादव व ससुर बचाऊ यादव को उम्रकैद व 26- 26 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता कुंवर वीर प्रताप सिंह ने बहस की।

गाजीपुर मे पर्यावरण संरक्षण, पानी और बिजली की बचत के लिए मिशन लाइफ अभियान चलाया

आधुनिक समाचार सेवा

वाराणसी।मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय के कुशल दिशा निर्देश में पर्यावरण में हो रहे जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के उपकरण के रूप में मिशन लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट के लिए एक जन आंदोलन के माध्यम से अपनी परंपराओं व संरक्षण और संयम के मूल्यों के आधार पर जीने के एक स्वस्थ और टिकाऊ तरीके को अपनाने और प्रचारित करने के उद्देश्य से पर्यावरण संरक्षण, पानी और बिजली की बचत के लिए वाराणसी मंडल पर मिशन लाइफ अभियान चलाया जा रहा है । इसके तहत यात्रियों को पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली के अपनाने प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

इसी क्रम में गुरुवार को गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण को अनुकूल करने हेतु विभिन्न कदम एवं जन -साधारण को जागरूक करने हेतु रैली एवं श्रम दान किया गया। इसके साथ-साथ वरिष्ठ मंडल

यांत्रिक इंजीनियर आलोक केशरवानी के नेतृत्व में स्टेशन अधीक्षक,मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक वाणिज्य निरीक्षक, रेलवे सुरक्षा बल निरीक्षक एवं कर्मचारियों द्वारा लगभग 200 रेल यात्रियों को पर्यावरणअनुकूल जीवन शैली के अपनाने लिए शपथ दिलाई गयी।इस दौरान सभी ने पर्यावरण के अनुकूल आदतों और व्यवहारों के महत्व के विषय में सतत रूप से प्रेरित रहने का संकल्प लिया। पूर्वोत्तर रेलवे मण्डल रेल प्रबंधक वाराणसी के जनसम्पर्कअधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को बताया कि इस अभियान के दौरान स्टेशन अधीक्षक एन.एस. सिद्दीकी, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक श्रीमती उषा कुमारी, जेई ईएनएच एम वाराणसी पवन कुमार सिंह, यातायात निरीक्षक.मनीष सिंह, वाणिज्य निरीक्षक.वीरेंद्र सिंह, रेलवे सुरक्षाबल निरीक्षक,कमलेश सिंह, उपनिरीक्षक विजय शंकर दुबे,सेक्शन इंजीनियर समाडी जितेन्द्र गौतम,जेईसमाडी श्री जैनेन्द्र कुमार,वरिष्ठ चलटिकट परीक्षक श्री विवेक वर्मा एवं स्टेशन के कर्मचारियों ने सराहनीय सहयोग किया।

हजरत गैस वाले बाबा के 28 वें उर्स में डॉ. संदीप सरावगी ने फीता काटकर कार्यक्रम का किया शुभारंभ

अंतर्राष्ट्रीय कव्वाल हमसर हयात निजामी ने उर्स में बांधा समां, हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा हजरत गैस वाले बाबा का प्रांगण

आधुनिक समाचार सेवा

झाँसी। सर्वधर्म एकता के प्रतीक हजरत गैस वाले बाबा कमेटी के सदस्यों द्वारा 1980 से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले उर्स का 28वां दो दिवसीय कार्यक्रम अंबेडकर मार्ग रेलवे काठ का पुल के समीप आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संघर्ष सेवा समिति संथापक/अध्यक्ष डॉ. संदीप सरावगी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उर्वशी अवस्थी उपस्थित रहीं। सर्वप्रथम मंच पर कमेटी अध्यक्ष/उर्स संयोजक रिजवान खान(अन्ना डिस्क वाले), पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने समाजसेवी डॉ. संदीप सरावगी को पगड़ी बांधकर, पुष्पमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उर्स की रस्म अदायगी कर भव्य

स्वागत किया। समाजसेवी डॉ. सरावगी ने हजारों की संख्या में हिंदू मुस्लिम भाईयों की उपस्थिति में फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वर्ष 1980 से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले उर्स की शुरुआत में अंतर्राष्ट्रीय कव्वाल हमसर हयात निजामी ने एक से बढ़कर एक कव्वाली गाकर उर्स में समां बांधा। कार्यक्रम दौरान हिंदू मुस्लिम भाईयों ने सर्वधर्म समरसता की मिशाल पेश करते हुए कब्बाली में हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। इस अवसर पर समाजसेवी डॉ. संदीप सरावगी ने कहा कि उर्स के दिन व्यक्ति अपने दुखों को दूर करने के लिए या किसी काम में सफलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता है उर्स हिन्दू-मुस्लिम एकता, गंगा जमुनी तहजीब एवं विश्वशांति का प्रतीक हैं। हमारा भारत सर्व धर्म वाला राष्ट्र है जहां हम दिवाली, ईद एक साथ मनाते है, पूर्व में संपन्न हुए 18 बाल्मिकि बहनों का उदहारण देते हुए कहा हम जात, पात धर्म को नहीं मानते। इसी क्रम में विगत वर्षों में संघर्ष सेवा समिति गौ, गंगा, गायत्री एवं मानव सेवा के लिए तत्पर है, इसके पश्चात समाजसेवी डॉ. संदीप सरावगी ने ईश्वर से देश में अमन शांति की प्रार्थना की। कार्यक्रम का संचालन स्थानीय कलाकार जीतू देवानंद ने किया। इस मौके पर उर्स कमेटी के उप कोषाध्यक्ष खान वारसी, उप सचिव इकबाल पेंटर, कोषाध्यक्ष शेखू भाई, उपाध्यक्ष फारुख खान, मेंबर भूरे कुरैशी, कार्यवाहक अध्यक्ष हबीब खान, नसीम अहमद, उपाध्यक्ष (अरुण डिक्स वाले), सचिव जी. आर चंदेल, मेंबर कल्लू बाबा, संतोष चक्रवर्ती, स्टेज प्रबंधक इमरान, मोहम्मद शादाब खान, आरिफ खान, रविंद्र कुमार, गोपाल संग, अन्ना भाई, मोहम्मद इसरार (चुनमुन), इनायत खान, शाकिर, अजहरुद्दीन, सद्दू खान, जीतू देवानंद, एवं संघर्ष सेवा समिति से जिलाध्यक्ष (ग्रामीण) विनोद वर्मा, रामकिशोर आर्य (बी.डी.सी प्रदेश अध्यक्ष), राकेश अहिरवार, संदीप नामदेव, महेंद्र रायकवार, प्रमेंद्र सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पिपरी एसओ समेत दो दर्जन लोगों के विरुद्ध कोर्ट के आदेश पर होगी एफआईआर दर्ज

बगैर किसी आदेश के बुलडोजर से गरीब व्यक्ति का घर गिराने का है मामला सीजेएम कोर्ट ने धारा 156(3) सीआरपीसी के प्रार्थना पत्र पर दिया आदेश

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। बगैर आदेश के बुलडोजर से गरीब व्यक्ति का घर गिराने के मामले में मंगलवार को सीजेएम अचल प्रताप सिंह की अदालत ने पिपरी एसओ दिनेश पांडेय समेत करीब दो दर्जन लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर विधि अनुरूप विवेचना का आदेश दिया है। यह आदेश पिपरी थाना क्षेत्र के शिवा पार्क काली मंदिर के सामने मेन रोड रेणुकूट निवासी बाबूलाल यादव द्वारा अधिवक्ता के जरिए दाखिल धारा 156(3)सीआरपीसी के प्रार्थना पत्र पर हुआ है।

दिए प्रार्थना पत्र में बाबूलाल यादव ने अवगत कराया है कि वह शिवा पार्क काली मंदिर के सामने मेन रोड रेणुकूट में अपने बाप दादा के जमाने से पिछले 60 वर्षो से घर बनाकर आबाद है। उसके नाम से बिजली का कनेक्शन भी है। बावजूद इसके 2 फरवरी 2023 को दोपहर करीब एक बजे हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के सिक्योरिटी मैनेजर कैप्टन राहुल सिंह अपने साथ हिंडाल्को के चार कर्मचारी एवं आठ बाउंसर लिए हुए तथा अदालत अमीन अम्बरीष पाठक अपने साथ एक अन्य कर्मचारी, पिपरी थानाध्यक्ष दिनेश पांडेय एवं 8- 10 पुलिस कर्मियों सभी लोग गोलबंद होकर साथ में हिंडाल्को का स्टीकर लगा हुआ बुलडोजर लेकर उसके घर आ गए। घर के शेष हिस्से में चाय की दुकान चलाता था और शेष हिस्से में परिवार के साथ आबाद था। उक्त लोग उसके दुकान का सामान तोड़फोड़ करने लगे तथा हट जाने की बात कहते हुए बुलडोजर से उसका घर गिराने लगे। जब घर गिराने का आदेश मांगा तो सभी लोग उसे गली देने लगे। इस वाकए के बाद करीब 50- 60 की संख्या में लोग आ गए। तब तक उसका घर जमीदोज हो गया। दुकान व घर का सामान तथा करीब एक लाख रूपये का जेवर भी मलबे में दब गया। जब मौके पर जमा भीड़ ने अदालत अमीन अम्बरीष पाठक से आदेश दिखाने की मांग की तो उन्होंने बताया कि बाबूलाल यादव के घर के बगल के रहने वाले लालमन वगैरह का घर गिराने का आदेश कोर्ट ने दिया है। जब लोगों ने कहा कि गरीब व्यक्ति का घर कयो गिरा दिया तो सभी लोग माफी मांगने लगे। इस गंभीर अपराध की वजह से गरीब बाबूलाल खुले आसमान के नीचे गुजर कर रहा है। उक्त लोगों ने जानबूझकर यह अपराध किया है। बाबूलाल यादव ने घटना की सूचना एसपी सोनभद्र को दिया, किंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब मजबूर होकर अदालत की शरण में आया हूं। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने प्रथम दृष्टया गंभीर अपराध मानते हुए उक्त घटना के बाबत पिपरी एसओ को एफआईआर दर्ज कर विधि अनुरूप विवेचना करने अथवा कराने का आदेश दिया है।

बिजली विभाग के पसही जेई सुमित श्रीवास्तव के खिलाफ पीड़ित ने सीएम को भेजा पत्र

आरोप है कि मानक विरुद्ध पैसा लेकर कनेक्शन दिया जा रहा है जेई द्वारा

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र ब्यूरोः आवेदक ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर अवगत कराया कि मानक विरुद्ध पैसा लेकर जेई द्वारा काम किया जा रहा है। ग्राम- करमा , ब्लाक - घोरावल , तहसील - घोरावल , जिला - सोनभद्र बिजली कनेक्शन के लिये पसही फिटर मे आवेदन किया है पर बिजली बिभाग के जे ई द्वारा कनेक्शन नहि दिया जा रहा है बोला जा रहा है कि आप को दो खम्भे का पैसा देना होगा जबकि मेरे ठीक सामने इन्होने कनेक्शन दिया है मेरे से अधिक दूरी पर दिए है। किस नियम के तहत दिये है अगर सबके लिये अलग अलग नियम है।जेई द्वारा लगातार शोषण क्षेत्र में किया जाता है जो उनको पैसा देगा उसी का वो काम करते हैं अगर उनके विपरीत कोई गया तो तुरंत नियम कानून बताने लगते हैं।

आस्था बनाम आडम्बर

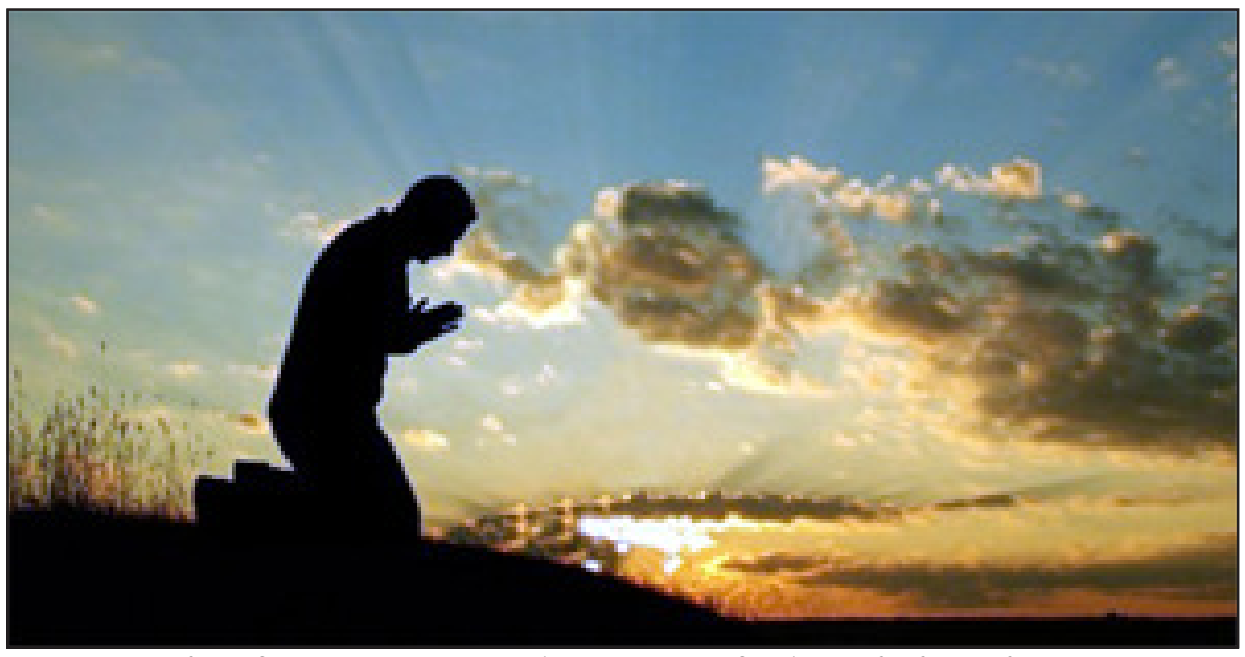

धर्म का भारत की संस्कृति में एक महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है । इस देश में धर्म का अस्तित्व तब से है जब से देश की सभ्यता और समाज का अस्तित्व है। भारतीयों का एक विशाल बहुमत स्वयं को किसी न किसी धर्म से संबंधित अवश्य बताता है। भारत एक ऐसा देश है जहां धार्मिक विविधता और धार्मिक सहिष्णुता को कानून तथा समाज, दोनों द्वारा मान्यता प्रदान की गयी है। आज भारत में मौजूद धार्मिक आस्थाओं की विविधता, यहां के स्थानीय धर्मों की मौजूदगी तथा उनकी उत्पत्ति के अतिरिक्त, व्यापारियों, यात्रियों, आप्रवासियों, यहां तक कि आक्रमणकारियों तथा विजेताओं द्वारा भी यहां लाए गए धर्मों की आत्मसात करने एवं उनके सामाजिक एकीकरण का परिणाम है। भारत के संविधान में राष्ट्र को एक धर्मनिरपेक्ष गणतंत्र घोषित किया गया है जिसमें प्रत्येक नागरिक को किसी भी धर्म या आस्था का स्वतंत्र रूप से पालन तथा प्रचार करने का अधिकार है (इन गतिविधियों पर नैतिकता, कानून व्यवस्था, आदि के अंतर्गत उचित प्रतिबंध लगाये जा सकते हैं)। भारत के संविधान में धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को एक मौलिक अधिकार की संज्ञा दी गयी है। प्रायः आपको धर्म के दो रुप दिखाई देते है एक आस्था और दुसरा आडम्बर । प्रथमदृष्टया ये दोनो रूप परस्पर विलोम लगते है पर वास्तविक सत्य ये है कि आडम्बर का अस्तित्व बिना आस्था के सम्भव ही नही है या कहें कि आस्था ही आडम्बर की जननी है । ये सार्वभौमिक सत्य है कि इस संसार को चलाने वाली एक अलौकिक शक्ति है फिर चाहे आप उसे किसी भी नाम से पुकारे । उस शक्ति में आपकी आस्था का माध्यम भी, आध्यात्म-विज्ञान, ज्ञानमार्गी-प्रेममार्गी, सगुण-निर्गुण, निराकार-साकार आदि, कुछ भी हो सकता है । तो ये भी न्यायसंगत नही है कि आप आडम्बर को आधार मानकर किसी की भी आस्था पर आघात करे जैसा कि तथाकथित नास्तिक करते है । नास्तिकता का स्वयं कोई अस्तित्व नही है, जो आस्तिक नहीं बस वही नास्तिक है। नास्तिक बनाम आस्तिक, ये एक पृथक व्यापक मुद्दा है। आस्था और आडम्बर का ये एक ऐसा द्वन्द युद्ध है जिसमें तर्क और तथ्यो की तो जैसे कोई भूमिका ही नही रही है । आस्था दृढ़ हो ये आवश्यक है पर अंध कदापि नही । विश्व का सबसे प्राचीन धर्म और विश्व में सर्वाधिक धर्मावलंबियों को पोषित करने का श्रेय भी भारत को ही जाता है। संभवतः यही कारण था कि स्वतंत्रता के बाद संविधान निर्माताओं ने देश के चरित्र को धर्मनिरपेक्ष करने का हर संभव प्रयास किया। हालांकि यही धर्मनिरपेक्ष चरित्र कालांतर में राजनेताओं द्वारा धर्म के राजनीतिकरण और धार्मिक भावनाओं के वोट बैंक के रूप में उपयोग का जरिया बना। इस सब से पृथक देश में धर्म आस्था को बाजार और व्यापार की तरह परिवर्तित करने में भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी गई। स्थिति की गंभीरता को समझने के लिए मात्र दो तथ्यों पर गौर करना बहुत आवश्यक है। देश में आज धर्मस्थलों की संख्या शिक्षण संस्थानों व चिकित्सा संस्थानों, अस्पतालों की संख्या से कई गुना अधिक है। इतना ही नही, देश की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा भाग कहीं न कहीं इस आस्था के बाजार से जुड़ा हुआ है। परम्परावादी धार्मिक मान्यताओं, धार्मिक उत्सवों, धर्मस्थलों आदि को दरकिनार करते हुए पिछले कुछ वर्षों में नए-नए धर्मगुरुओं, महंतों, बाबाओं, साधु-साध्वियों ने ईश्वरीय सत्ता के समानांतर या ईश्वर प्राप्ति के स्वघोषित मार्ग बनकर इस आस्था के बाजार को अधोगति की पराकाष्ठा पर पहुंचा दिया। यह सर्वविदित है कि इस देश के आम लोग धर्म के मामले में न केवल अतिसंवेदनशील हैं अपितु लगभग धर्मांध की तरह व्यवहार करते हैं। यही वजह है कि कभी प्रतिमाओं द्वारा दूध पीने की तो कभी दीवार, पेड़ और धुएं तक में किसी देवी-देवता की आकृति देखे जाने की अफवाह रूपी दावे के पीछे एक जुनून-सा देखने को मिलता रहा है। आम लोगों की इसी सहिष्णुता व मासूमियत का फायदा उठाते हुए इन तथाकथित धर्मगुरुओं ने अपने-अपने तरीकों व हथकंडों से न केवल आम जनमानस की धार्मिक भावनाओं से खेला बल्कि उनसे दान, सहयोग राशि और कई अन्य बहानों से उनके खून-पसीने की कमाई का एक हिस्सा भी हड़प जाते हैं। इस समस्या का अध्ययन करने पर मैंने एक दिलचस्प कारण भी ढूंढा है । आधुनिक युग में आम आदमी का जीवनशैली विलासिता एवं भौतिक सुख-सुविधा की ओर मुड़ गयी है । उच्च जीवन स्तर की प्राप्ति और सब कुछ शीघ्र-अतिशीघ्र पा लाने की प्रवृत्ति ने सामाजिक जीवन को घोर प्रतिस्पर्धी बना दिया है। लोगों के लिए नैतिकता, श्रम आदि के मायने पूरी तरह से बदलने लगे किन्तु इसके साथ-साथ एक आत्मग्लानि और पापबोध की भावना से भी ग्रस्त जनमानस ने इसकी पूर्ति या प्रायश्चित स्वरूप धर्म-धार्मिक क्रियाकलापों की ओर रुख किया है। इसी दुविधापूर्ण स्थिति का पूरा फायदा उठाते हुए आस्था के कारोबारियों ने किसी को जीवन की दौड़ में शॉर्टकट सफलता दिलाने के नाम पर तो किसी सफल को उसके पापबोध का अहसास कराकर दान, सहयोग आदि के बहाने अपनी दुकान चमकाए रखी। इसका परिणाम यह हुआ कि देश में आज पारम्परिक धार्मिक स्थलों से परे लगभग उतने ही पाखंड और प्रपंचनुमां धार्मिक आडम्बरों की एक बड़ी दुनिया रच डाली गई है। एक तथाकथित कृपानिधान बने बाबा जो खुद में किसी तीसरे नेत्र जैसी चमत्कारिक शक्ति आने का दावा करके लोगों पर कृपा बरसाने का ऐसा कारोबार पिछले काफी समय से करते चले आ रहे हैं जिसके बदले में कृपा पाने के इच्छुक आम लोगों से अच्छी-खासी धनराशि वसूल की जा रही है। हाल ही में जब इनके खिलाफ लोगों को गुमराह करने व अंधविश्वास फैलाए जाने का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज किया गया तो यह कृपा बरसनी बन्द हो गई। इनके साथ ही एक महिला जो खुद को देवी-रूप में स्थापित करने करवाने के प्रयास में चर्चित हुईं, ने उसी प्रवृत्ति को पुख्ता करने की कोशिश की है जिसमें आजकल बहुत कम उम्र अनुभव वाले भी खुद को दैवीय कृपा प्राप्त बताने मानने में लगे हुए। प्रवचन, सत्संग, समागम, मिलन आदि का

आयोजन इस तरह से किया-कराया जा रहा है मानों बाजार/हाट लगाकर ईश्वरीय कृपा को बेचा जा रहा है। देश की आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा धर्म के नाम पर पैसा, समय और श्रम खर्च करते हैं। यदि उनका विवेक-सम्मत और योजनाबद्ध उपयोग होने लगे, तो उनसे सरकारी विकास योजनाओं की अपेक्षा सौ गुना अधिक कार्य स्वेच्छापूर्वक हो सकता है। हर पर्व पर गंगा स्नान करने प्रायः द्धप्द्ध लाख व्यक्ति आते हैं। हर व्यक्ति का समय तथा खर्च करने का औसत लगाया जाए, तो द्धच्द्ध करोड़ होता है। ऐसे प्रायः द्धन्द्ध पर्व हर वर्ष पड़ते हैं। उनमें प्रायः द्धच्द्ध करोड़ रुपया तो यों ही गया। यदि यह पैसा गंगा जी की सफाई और कृषि कार्य के लिए सिचाई व्यवस्था में लगाया जा सके, तो एक वर्ष में गंगा माता की स्वच्छता और सिंचाई से करोड़ों की आमदनी बढ़ सकती है। ऐसा निर्माणात्मक नेतृत्व यदि धर्मतंत्र का विवेक रखने वालों ने किया होता, तो देश की स्थिति न जाने कहाँ पहुँच गई होती। मंदिर-मठों में प्रायः खरबों की अचल संपत्ति लगी है। हर वर्ष की उनकी आय खरबों रुपया है। जनता जितना सरकारी टैक्स देती है, उससे कहीं अधिक यह स्वेच्छा अनुदान है। यदि यह पैसा रचनात्मक प्रवृत्तियों की ओर मोड़ा जा सके, तो उससे काया-कल्प जैसा परिवर्तन प्रस्तुत हो सकता है। कथा-सत्संगों के नाम पर जो कूड़ा-करकट जनता के दिमाग में भरा जाता है, उसके स्थान पर यदि सच्चे धर्म तत्व, अध्यात्म, नीति, सदाचार, कर्त्तव्यपरायणता और सामाजिकता का प्रशिक्षण बन पड़े, तो सोया हुआ भारतवर्ष एकाकी जग सकता है और आत्मनिर्माण ही नहीं, विश्व भर का नेतृत्व करने में समर्थ हो सकता है। इस सन्दर्भ में एक यह तथ्य भी गौरतलब है कि धर्म और आस्था के इन तथाकथित व्यावसायियों ने अर्थव्यवस्था का एक हिस्सा भी दबा रखा है।

बोधगया में भगवान बुद्ध को हुई थी ज्ञान की प्राप्ति

देश के बिहार राज्य में स्थित बौद्ध गया शहर में बना महाबोधि मंदिर बौद्ध धर्म का सबसे महत्वपूर्ण केन्द्र और पवित्र स्थानों में माना जाता है। यहीं पर बोधि वृक्ष के नीचे गौतम बुद्ध को केवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यह मंदिर वास्तुकला व बौद्ध धर्म की परम्पराओं का सुन्दर नमूना है। विभिन्न धर्मों एवं सम्प्रदायों के लोग यहां आध्यात्मिक शांति की तलाश में आते हैं। 19वीं सदी में ब्रिटिश पुराविद् कनिंघम तथा भारतीय पुराविद् डॉ. राजेन्द्र लाल के निर्देशन में 1883 ई. में यहां खुदाई की गई और काफी मरम्मत के बाद मंदिर के पुराने वैभव को स्थापित किया गया। ऐतिहासिक एवं धार्मिक बौद्ध मंदिर को वर्ष 2002 ई. में यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत सूची में शामिल कर इसे विश्व विरासत घोषित किया गया। यहां देश के ही नहीं पूरे विश्व के पर्यटक खास कर बौद्ध मत में विश्वास रखने वाले धर्मावलम्बी बड़ी संख्या में यहां आते हैं। यह मंदिर विश्व के मानचित्र पर अपना विशेष धार्मिक महत्व रखता है। मंदिर का निर्माण सम्राट अशोक द्वारा किया गया था। मंदिर में भगवान बुद्ध की पद्मासन मुद्रा में भव्य मूर्ति स्थापित है। जनश्रुति के अनुसार यह मूर्ति उसी जगह स्थापित है जहां बुद्ध को कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। मंदिर के चारों ओर पत्थर की नक्काशीदार रेलिंग लगी है जो प्राचीन अवशेष है। मंदिर की दक्षिण दिशा में 15 फीट ऊँचा अशोक स्तम्भ नजर आता है जो कभी 100 फीट ऊँचा था। मंदिर पेगोडानुमा बहुअलंकृत आर्य एवं द्रविड शैली में 170 फीट ऊँचा है। मंदिर परिसर में उन सात स्थानों को भी चिन्हित किया गया है जहां बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद सात सप्ताह व्यतीत किये थे। मुख्य मंदिर के पीछे बुद्ध की सात फीट ऊँची लाल बलुआ पत्थर की विराजन मुद्रा में मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के चारों ओर लगे विभिन्न रंगों के पताके मूर्ति को आकर्षक बनाते हैं। मूर्ति के आगे बलुआ पत्थर पर बुद्ध के विशाल पदचिन्ह बने हैं, जिन्हें धर्म चक्र परिवर्तन का प्रतीक माना जाता है। यहां बुद्ध ने पहला सप्ताह बिताया था। परिसर में स्थित बोधि वृक्ष एवं खड़ी अवस्था में बनी बुद्ध की मूर्ति स्थल को अनिमेश लोचन कहा जाता है। यह चैत्य मंदिर के उत्तर-पूर्व में बना है जहां बुद्ध ने दूसरा सप्ताह व्यतीत किया था। इस स्थल पर 16 जनवरी 1993 को श्रीलंका के राष्ट्रपति रणसिंधे प्रेमादास द्वारा सोने का जंगला एवं सोने की छतरी का निर्माण करा कर इसे आकर्षक स्वरूप प्रदान किया। मुख्य मंदिर का उत्तरी भाग चंकामाना नाम से जाना जाता है जहां काले पत्थर का कमल का फूल बुद्ध का प्रतीक बना है जहां बुद्ध ने तीसरा सप्ताह बिताया था। छत विहीन भग्नावशेष स्थल रत्न स्थान पर बुद्ध ने चौथा

सप्ताह व्यतीत किया था। जनश्रुति के अनुसार बुद्ध यहां गहन चिन्तन में लीन थे तब उनके शरीर से प्रकाश की एक किरण निकली थी। प्रकाश की किरणों के इन्हीं रंगों का उपयोग विभिन्न देशों द्वारा यहां लगे पताके में किया जाता है। मुख्य मंदिर के उत्तरी दरवाजे से थोड़ी दूर स्थित अजयपाल वटवृक्ष के नीचे बुद्ध ने पाँचवां सप्ताह व्यतीत किया था। मंदिर के दांई ओर स्थित मुचलिंद सरोवर जो चारों तरफ से वृक्षों से घिरा है और सरोवर के मध्य में बुद्ध की मूर्ति स्थापित है जिसमें विशाल सर्प को बुद्ध की रक्षा करते हुए बताया गया है। यहां बुद्ध ने छठा सप्ताह व्यतीत किया था। परिसर के दक्षिण-पूर्व में स्थित राजयातना वृक्ष के नीचे बुद्ध ने सातवां सप्ताह व्यतीत किया था।

बोध गया घूमने का सबसे अच्छ समय अप्रैल-मई में आने वाली बुद्ध जयंति का अवसर है जब यहां सिद्धार्थ का जन्मदिन विशेष उत्साह एवं परम्परा के साथ मनाया जाता है। इस दौरान मंदिर को हजारों मोमबत्तियों से सजाया जाता है तथा जलती हुई मोमबत्तियों से उत्पन्न दृश्य मनुष्य के मानस पटल पर अंकित हो जाता है। बौद्ध गया में 1934 ई. में बना तिब्बतियन मठ, 1936 में बना बर्मी विहार तथा इसी से लगा थाईमठ, इंडोसन-निप्पन-जापानी मंदिर, चीनी मंदिर एवं भूटानी मठ पर्यटकों के लिए दर्शनीय स्थल हैं। बौद्ध गया में स्थित पुरातात्विक संग्रहालय अपने आप में बेजोड़ है।

राजगीर राजगीर बोध गया के समीप होने से सैलानियों को यहीं से राजगीर दर्शन का कार्यक्रम बनाना चाहिए। राजगीर वैभार, विपुलाचल, रत्नगिरी, उदयगिरी, सोनगिरी, पंच पहाड़ियों से घिरा बिहार का विश्व प्रसिद्ध धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थल है। राजगीर पटना के दक्षिण-पश्चिम दिशा में 102 कि.मी. दूरी पर तथा नालन्दा से दक्षिण दिशा में 15 कि.मी. दूरी पर स्थित है। यहां भगवान गौतम बुद्ध एवं महावीर स्वामी उपदेश देते थे। यहां पर करीब एक हजार फीट ऊँची खूबसूरत पंच पहाड़ी दर्शनीय है। वैभार पहाड़ी पर पूर्व की ओर गर्म जल के झरने एवं 22 कुण्ड बने हैं जिनमें सप्तधारा, ब्रह्मकुण्ड तथा सूर्यकुण्ड प्रमुख हैं। इसी पहाड़ी पर 81 गुणा 68 फीट वर्गाकार फीट का जरासंघ अखाड़ा भी दर्शनीय है। इसी पहाड़ी पर गरम जल के झरने से एक कि.मी. दूर स्थित मनियार मठ तथा पर्वत के ऊपर स्थित सप्तवर्णी गुफा स्थित है। चट्टानों से बनी गुफा सकरी लम्बी गुफा है जहां बुद्ध की मृत्यु के बाद पहली सभा की गई थी। रत्नगिरी पर्वत पर 103 फीट व्यास का तथा 120 फीट ऊँचा संगमरमर से बना विश्व शांति स्तूप प्रमुख आकर्षण है। स्तूप के ऊपर चारों ओर विभिन्न मुद्राओं में भगवान बुद्ध की सुनहरी प्रतिमाएं लगी हैं। स्तूप का निर्माण जापान बौद्ध संघ के अध्यक्ष फूजी ने करवाया था। यहां वेणुवन एवं वीरायतन संग्रहालय भी देखने योग्य है। **नालन्दा** : राजगीर से 13 कि.मी. दूरी पर स्थित है नालन्दा। यहां शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय की स्थापना सम्राट अशोक के समय में की गई जो शिक्षा का एक महान केन्द्र बना। यहां विदेशों से भी विद्यार्थी शिक्षा के लिए आते थे। माना जाता है कि नालन्दा विश्वविद्यालय विश्व का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है। चीनी यात्री हेनसांग ने स्वयं यहां 12 वर्ष रह कर शिक्षा प्राप्त की। आज यहां पर्यटकों के लिए इसके अवशेष के रूप में छात्रों के रहने का स्थल, मठ, स्तूप, दर्शनीय हैं। विश्वविद्यालय के मध्यम में स्मारक दीवार, बाग, व्याख्यान भवन, डॉरमेट्री, चिन्तन कक्ष, कुआं, महाविहार, आर्ट गैलेरी एवं पुरातत्व संग्रहालय दर्शनीय हैं। सरकार ने यहां 1956 ई. में पाली अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया जिसे 'नव नालन्दा महाविहार' कहते हैं। यहां पाली एवं बौद्ध शिक्षण की स्नातकोत्तर तक शिक्षा प्रदान की जाती है। यहां इन्दिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय भी संचालित है। बड़गाँव नामक स्थान पर एक सुन्दर मंदिर एवं जलाशय भी दर्शनीय हैं। यह स्थान पटना के निकट होने से यहीं से इसके भ्रमण का कार्यक्रम बनाया जा सकता है।

पावापुरी : नालन्दा से 5 कि.मी. दूर तथा पटना से 80 कि.मी. दूर पश्चिम दिशा में रांची मार्ग पर स्थित है, जैनियों का प्राचीन तीर्थ पावापुरी। बताया जाता है कि जब भगवान महावीर स्वामी के शरीर की पवित्र भस्म को उनके भक्तों ने उठा लिया था, स्थिति ऐसी बन गई कि भस्म खत्म हो गई तब लोग भस्म से छुई मिट्टी को ही साथ ले गये। वह स्थान जल्द ही एक खड्डे में बदल गया और वहां से जल धारा बह निकली। इसी याद में यहां कमल सरोवर का निर्माण किया गया। यह सरोवर पुष्पों से खूबसूरत नजर आता है। यहां बने मंदिर में भगवान महावीर के पद चिन्ह की छाया पूजनीय है। इसके निकट ही पीर मखदूम शाह की समाधि भी बनी है।

रोम विश्व भर में ईसाइयों का सबसे बड़ा धर्मस्थान

रोम यूरोप में टाइवर नदी के किनारे बसा एक ऐसा प्राचीन शहर है जिसकी स्थापना 21 अप्रैल 732 ईसापूर्व में हुई थी। मध्यकाल में यहां साम्राज्य की स्थापना हुई। रोम विश्व भर में ईसाइयों का सबसे बड़ा धर्मस्थान है। यहीं कैथोलिक ईसाइयों के धर्मगुरु पोप का निवास स्थान है।आज विश्व में आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण एक से बढ़कर एक खेल के मैदान हैं परन्तु कलोसियम विश्व का सबसे प्राचीन खेल का मैदान है। इसमें लगभग 80 हजार दर्शकों के बैठने की सुविधा है। इसमें चार प्रवेशद्वार हैं। सामाजिक स्थिति के अनुसार समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों के बैठने का स्थान यहां पहले निश्चित हुआ करता था। सबसे निम्नवर्ग में अविवाहित पुरुष गिने जाते थे। रोम के इतिहास में इसका एक विशिष्ट स्थान है।आप रोम में जिधर भी निकल जाइए, प्राचीन भवनों और कलाकृतियों के अवशेष आपको देखने को मिल जाएंगे। इसी में सबसे प्राचीन अवशेष है 'रोमन फोरम'। यह प्राचीनकाल में रोमन जनजीवन का केंद्र था। शेक्सपीयर को जूलियर सीजर लिखने की प्रेरणा भी यहीं से मिली थी। वैसे तो रोम में सभी बैसेलिकाएं एक से बढ़कर एक सुंदर हैं पर विशेष आकर्षण का केंद्र है सेंट पीटर बैसेलिका, जिसे सिसटिन चैपेल भी कहा जाता है। यहीं पर पोप रहते हैं और धर्मोपदेश भी देते हैं। इसकी सुंदरता देखते ही बनती है। साथ ही यहां प्रसिद्ध भवन निर्माता और मूर्तिकार माइकल एंजिलो की मूर्ति भी आपको देखने को मिलेगी। बैसेलिका के अलावा रोम में जगह-जगह पर फुहारों के दृश्य भी बहुत सुंदर लगते हैं। इन फुहारों के आसपास हर समय भीड़ लगी रहती है। इन फुहारों में से एक है 'पीयाजा नवोना'। जिस काल में यह फुहारा बना था उस काल में लोगों को चार महादेशों का ही ज्ञान था। इस फुहारे में चार महादेशों के जल की कल्पना की गई थी। रोम में हर साल लाखों लोग दुनिया के कोने-कोने से आते हैं। रोम की भाषा इटालियन है और लोग थोड़ी बहुत अंग्रेजी भी समझ लेते हैं। बांग्लादेश के लोग भी रोम में काफी हैं। रोम में पर्यटकों की संख्या इतनी अधिक रहती है कि एअरपोर्ट से लेकर बाजार तक आपको दलाल मिल जाएंगे। जिस प्रकार रोम के भोजन में पीजा और पास्ता प्रसिद्ध हैं वैसे ही यहां के सूती वस्त्र भी बहुत ही बढ़िया होते हैं। यहां की मुद्रा को लीरा कहते हैं। रोम के लोग सीधे-सादे और मिलनसार हैं। देश-विदेश के लोगों से मिलने, उनसे बात करने तथा उनकी सहायता करने में उन्हें अच्छा लगता है।

आप का हैंड बैग कर सकता है आप को बीमार

'हैंडबैग में आप अपनी जरूरत की हर चीज रखना पसंद करती हैं ताकि जब आप को उस की जरूरत पड़े तब आप तुरंत इस्तेमाल कर सकें। लेकिन क्या आप को पता है कि आप अपने हैंडबैग में जरूरत की चीजों के अलावा और भी कुछ ले कर घूमती हैं? जी हां, आप के पर्स में कई तरह के बैक्टीरिया पैदा होते हैं जो आप को बीमार करते हैं। एक नई रिसर्च के मुताबिक 90 फीसदी से अधिक हैंडबैग में बैक्टीरिया पनपते हैं, खासतौर पर महिलाओं के पर्स में ऐसा अधिक होता है। रिसर्च में पाया गया है कि रसोई घर, टेबल और बाथरूम जैसी जगहों की तुलना में पर्स में सब से ज्यादा बैक्टीरिया पनपते हैं जो नुकसानदायक होते हैं। डेली मेल ने जनरल एडवांस बायोमेडिकल के हवाले से लिखा है कि महिला और पुरुष दोनों में ही संक्रमित रोग फैलने का बड़ा जिम्मेदार उन का पर्स है। हालांकि रिसर्च ये भी कहती है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के पर्स में अधिक बैक्टीरिया होते हैं। रिसर्च के दौरान ये बात भी आई है कि केवल 2।1 फीसदी महिलाएं महीने में एक बार अपना पर्स साफ करती हैं जबकि 81।5 कभी भी अपना पर्स खाली नहीं करतीं। इन दिनों तो वैसे भी वायरल तेजी से फैल रहा है इसलिए आप स्वस्थ रहना चाहती हैं तो अपने हैंडबैग की सफाई जरूर करें, उस में केवल जरूरत की चीजें ही रखें, वह भी सही तरीके से। **कैसे करें हैंडबैग की सफाईः** हलके गुनगुने पानी में लिक्विड साबुन मिक्स कर के हैंडबैग के बाहरी हिस्से की सफाई करें। आप चाहें तो लिक्विड साबुन की जगह पर शैंपू का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इस से बाहरी हिस्से पर जमी गंदगी दूर हो जाएगी। कभी भी हैंडबैग की सफाई के लिए बेबी वाइप्स, विनेगर और अन्य घरेलू सामग्रियों का इस्तेमाल न करें। खास कर के दाग छुड़ाने के लिए क्योंकि इन प्रोडक्टस में कैमिकल का इस्तेमाल किया जाता है, जिस से कलर खराब होने का खतरा रहता है। लेदर के पर्स को हलके हाथों से मुलायम कपड़े से साफ करें। आप पेट्रोलियम जेली भी यूज कर सकती हैं। हैंडबैग को ऐंटीबैक्टीरियल जैल से साफ करना एक अच्छा विकल्प है। बैग के कोने की सफाई के लिए टूथपिक का इस्तेमाल करें। जब बैग की सफाई करें तब तुरंत ही उस में सामान न भरें, उसे कुछ देर खुली हवा में रहने दें। **क्या न करें**ः मेकअप के सामान से अपना हैंडबैग न भरें। हैंडबैग में केवल वैसी ही चीजें रखें, जिन का आप रोजमर्रा के दिनों में इस्तेमाल करती हैं और इन प्रोडक्टस को भी एक पाउच में अच्छी तरह से पैक कर के रखें और समयसमय पर इस की सफाई करते रहें। खानेपीने की चीजें बैग में न रखें, खासकर के तब जब आप ने पैकेट खोल दिया है। इस से बैग में चीटियां आ सकती हैं। बैग को कहीं भी रखने से बचें। खासकर के वैसी जगहों पर जहां बैक्टीरिया ज्यादा पैदा होते हैं। अपने हैंडबैग को डस्टबीन न बनाएं। कुछ महिलाओं की आदत होती है कि वे अपनी हर चीज को बैग में ही कैरी करती हैं।

दोस्ती का उजाला आपकी भीतरी राहों को हमेशा रोशन करेगा

बचपन से अब तक न जाने कितने दोस्त बने लेकिन बमुश्किल दो-तीन ही ऐसे निकले जिनसे एक बार छन गई तो फिर कभी छूटी ही नहीं। हालांकि इस बात का कोई व्यवहारिक अर्थ नहीं बचा है। जिंदगी ने दूरियां पैदा कर दी हैं। किसी से साल में एक-दो बार फोन पर बात हो जाए, मिलना-जुलना दो-चार साल में एक बार ही हो पाए तो इसमें दोस्ती बनी रहने जैसा क्या है? बस, भीतर यह एहसास रहता है कि हमारे बीच भरोसे का रिश्ता है। बिना सफाई दिए कोई भी बात हर बार हम वहीं से शुरू कर सकते हैं, जहां से पिछली बार खत्म की थी। घंटे-दो घंटे की हिचक के बाद अपने गहरे से गहरे दुख-सुख का साझा कर सकते हैं। आज जब कई बातें सगे भाई तक से छिपाई जाने लगी हैं, तब इस तरह की टेलि-फ्रेंडशिप भी खुद में किसी उपलब्धि से कम नहीं है। आजीवन दोस्ती के इस लगभग असंभव आग्रह को छोड़ दें तो जिंदगी के हर दौर में दोस्त बनते रहते हैं। पढ़ाई के दोस्त, खेल के दोस्त, आंदोलन के दोस्त, नौकरी के दोस्त, नशे-पत्ती के दोस्त, अस्पताल के दोस्त। यहां तक कि सुबह टहलते वक्त बगल से मुस्कुरा कर गुजर जाने वाले बेनाम दोस्त। बचपन में गांव और शहर के बीच मेरा आना-जाना लगा रहता था। तब कई बार आश्चर्य होता कि मेरा शहरी दोस्त दीनदयाल गांव के मेरे चचेरे भाई सुरेंदर का नाम तक नहीं जानता। मैं दोनों को एक-दूसरे के बारे में बताने की बहुत कोशिश करता, लेकिन शायद मेरे बताने में ही कोई खोट रह जाती कि दोनों आपस में हमेशा अजनबी ही रह गए।

डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात या पांच बार की विजेता आईपीएल फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 का दूसरा क्वालिफायर मुकाबला 26 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए हार्दिक पांड्या और रोहित शर्मा की टीम जी जान लगाकर मैदान पर जीत हासिल करने उतरेंगी। दोनों ही टीमों के लिए ये मुकाबला करो या मरो की स्थिति का रहने वाला है क्योंकि इस मुकाबले में हारने वाली टीम लीग से बाहर हो जाएगी जबकि जीतने वाली टीम को टिकट को आईपीएल फाइनल मिलेगा।

बता दें कि चेन्नई सुपर किंग्स के साथ खेले गए पहले क्वालीफायर मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 15 रनों से हार का सामना करना पड़ा था जबकि मुंबई इंडियंस ने एलिमिनेटर मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को मात दी थी। अब पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस और डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंसके बीच मुकाबला होगा। मुंबई इस बार छठी बार खिताब पर दावेदारी ठोकना चाहेगी जबकि गुजरात लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब पर कब्जा करना चाहेगी।

गुजरात टाइटंस का ये दूसरा सीजन है। गुजरात ने अपने पहले ही सीजन में दमदार जीत हासिल कर खिताब अपने नाम किया था। गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच तीन मुकाबले खेले गए है। इन तीन मुकाबलों में मुंबई इंडियंस का पलड़ा भारी रहा है। मुंबई इंडियंस ने दो और गुजरात ने एक मुकाबला जीता है। बता दें कि आईपीएल के इस सीजन में दोनों टीमें दो बार आमने सामने आई है और दोनों को एक-एक जीत मिली है। वहीं वर्ष 2022 में खेले गए मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने गुजरात को मात दी थी।

आकाश मधवाल की उत्कृष्ट

गेंदबाजी से एलिमिनेटर में लखनऊ सुपरजाइंट्स पर बड़ी जीत दर्ज करने से उत्साहित मुंबई इंडियंस आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर में गत चैंपियन गुजरात टाइटंस की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। मधवाल ने बुधवार को चेन्नई में खेले गए एलिमिनेटर में पांच रन देकर पांच विकेट लिए जिससे पांच बार के आईपीएल चैंपियन मुंबई ने लखनऊ को 81 रन से करारी शिकस्त दी। जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर जैसे खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद मुंबई की यह बड़ी जीत दूसरी टीमों के लिए खतरे की घंटी है।

मुंबई का इस सत्र में प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला रहा है लेकिन अब लगता है कि उसकी टीम सही समय पर अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आई है। कैमरन ग्रीन, सूर्यकुमार यादव और टिम डेविड ने अभी तक चुनौतियों का अच्छी तरह से सामना किया है। उनके अलावा युवा बल्लेबाज नेहल बढेरा भी अपना प्रभाव छोड़ रहे हैं जबकि रोहित शर्मा और ईशान किशन की सलामी जोड़ी भी अपनी भूमिका निभा रही है। इससे रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम अपने छठे खिताब की तरफ मजबूती से कदम बढ़ा रही है।

इन बल्लेबाजों के सामने गुजरात के गेंदबाजों की कड़ी परीक्षा होगी जिसकी अगुवाई अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी कर रहे हैं। मधवाल ने लखनऊ के खिलाफ पिछले मैच में गेंदबाजी में चमत्कारिक प्रदर्शन किया। उन्होंने 3.5 ओवर में पांच रन देकर पांच विकेट लिए। टीम को उनसे इसी तरह के अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मुंबई के अन्य गेंदबाजों में अनुभवी लेग स्पिनर पीयूष चावला और तेज गेंदबाज जेसन बेहरेनडॉर्फ ने भी प्रभावशाली गेंदबाजी की है। पिछले कुछ मैचों में रन लुटाने वाले तेज गेंदबाज क्रिस जॉर्डन में लखनऊ के खिलाफ दो ओवर में सात रन देकर एक विकेट लिया जो कि मुंबई के लिए अच्छा संकेत है।

गुजरात टाइटंस पहले क्वालीफायर में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली चेन्नई सुपर किंग्स की टीम से पराजय झेलने के बाद इस मैच में उतरेगी। उसे लगातार दूसरी बार आईपीएल फाइनल में जगह बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। गुजरात के सभी खिलाड़ियों ने अभी तक अहम योगदान दिया है। बल्लेबाजी में शुभमन गिल और विजय शंकर ने शानदार प्रदर्शन किया है। गिल चेन्नई के खिलाफ अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन लीग चरण के अंतिम दो मैचों में शतक जड़ने वाला यह सलामी बल्लेबाज मुंबई के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगा।

गिल ने गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी बखूबी संभाल रखी है। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने अभी तक 15 मैचों में 722 रन बनाए हैं। गुजरात की तरफ से उनके बाद सर्वाधिक रन विजय शंकर ने बनाए हैं लेकिन वह गिल से 421 रन पीछे हैं। शंकर के नाम पर अभी 12 मैचों में 301 रन दर्ज हैं। गिल को इस सत्र में सर्वाधिक रन बनाकर आरसीबी के फाफ डुप्लेसी से ऑरेंज कैप हासिल करने के लिए केवल आठ रन की जरूरत है। गुजरात के लिए हालांकि कप्तान हार्दिक पंड्या का खराब प्रदर्शन चिंता का विषय है। उन्होंने पिछले पांच मैचों में केवल 45 रन बनाए हैं। मध्यक्रम में डेविड मिलर भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हैं। पिछले तीन मैचों में तो वह दहाई के अंक तक भी नहीं पहुंच पाए थे। मुंबई और गुजरात इस सत्र में तीसरी बार एक-दूसरे का सामना करेंगे। अभी तक दोनों टीम ने एक एक मैच जीता है।

टीम इस प्रकार हैं: गुजरात टाइटन्स: हार्दिक पंड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साईं सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नलकंडे , जयंत यादव, आर. साई किशोर, नूर अहमद, दासुन शनाका, ओडियन स्मिथ, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, जोशुआ लिटिल और मोहित शर्मा।

मुंबई इंडियंस: रोहित शर्मा (कप्तान), क्रिस जॉर्डन, अरशद खान, जेसन बेहरेनडॉर्फ, डेवाल्ड ब्रेविस, पीयूष चावला, टिम डेविड, राघव गोयल, कैमरन ग्रीन, इशान किशन (विकेटकीपर), डुआन जानसेन, क्रिस जॉर्डन, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल , रिले मेरेडिथ, शम्स मुलानी, रमनदीप सिंह, संदीप वारियर, ऋतिक शौकीन, ट्रिस्टन स्टब्स, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, सूर्यकुमार यादव। मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर फाइनल के लिए स्पष्ट पसंद होंगे भरत: रवि शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले महीने इंग्लैंड में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में विकेटकीपर की भूमिका के लिए केएस भरत टीम प्रबंधन की 'स्पष्ट पसंद' होंगे। भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर ऋषभ पंत कार दुर्घटना से उबर रहे हैं और उनके विकल्प लोकेश राहुल की भी दाहिनी जांघ की सर्जरी हुई है। भारतीय टीम प्रबंधन इस बात को लेकर दुविधा में है कि ओवल में सात जून से शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भरत और इशान किशन में से किसे चुना जाए।

शास्त्री ने कहा कि भरत ने इस साल की शुरुआत में बोर्डर-गावस्कर श्रृंखला के दौरान विकेटकीपिंग की थी इसलिए उन्हें उम्मीद है कि प्रबंधन इस 29 वर्षीय को इशान पर तरजीह देगा। शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू' में कहा, "आपको देखना होगा कि कौन बेहतर विकेटकीपर है। क्या यह भरत है या इशान किशन? अब तथ्य यह है कि भरत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौका दिया गया था जहां उन्होंने सभी टेस्ट मैच खेले थे, मुझे लगता है कि वह एकादश में चुने जाने के लिए स्पष्ट पसंद होंगे। दूसरी ओर ईशान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौका नहीं मिला और आईपीएल के दौरान राहुल के चोटिल होने के बाद उन्हें डब्ल्यूटीसी की भारतीय टीम में शामिल किया गया। शास्त्री ने संकेत दिया कि डब्ल्यूटीसी फाइनल के स्थल की परिस्थितियां तय करेंगी कि अंततः किस विकेटकीपर को खेलने का मौका मिलता है। शास्त्री ने कहा, "देखिए, यह एक और कड़ा (फैसला) है। अब अगर दो स्पिनर खेल रहे हैं, तो आप चाहेंगे कि भरत खेलें।"

हालांकि भरत ने सिर्फ चार टेस्ट खेले हैं लेकिन लंबे प्रारूप में 90 प्रथम श्रेणी के मैचों का उनका घरेलू अनुभव उनका पलड़ा भारी करता है। दूसरी ओर इशान ने अभी टेस्ट में पदार्पण नहीं किया है और उन्होंने 48 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। इशान ने भरत की तुलना में बल्ले से अधिक उपलब्धि हासिल की है।

बना पाए। दूसरी ओर किशन को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौका नहीं मिला और आईपीएल के दौरान राहुल के चोटिल होने के बाद उन्हें डब्ल्यूटीसी की भारतीय टीम में शामिल किया गया। शास्त्री ने संकेत दिया कि डब्ल्यूटीसी फाइनल के स्थल की परिस्थितियां तय करेंगी कि अंततः किस विकेटकीपर को खेलने का मौका मिलता है। शास्त्री ने कहा, "देखिए, यह एक और कड़ा (फैसला) है। अब अगर दो स्पिनर खेल रहे हैं, तो आप चाहेंगे कि भरत खेलें।"

हालांकि भरत ने सिर्फ चार टेस्ट खेले हैं लेकिन लंबे प्रारूप में 90 प्रथम श्रेणी के मैचों का उनका घरेलू अनुभव उनका पलड़ा भारी करता है। दूसरी ओर इशान ने अभी टेस्ट में पदार्पण नहीं किया है और उन्होंने 48 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। इशान ने भरत की तुलना में बल्ले से अधिक उपलब्धि हासिल की है।

उन्होंने पिछले साल के अंत में चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय दोहरा शतक बनाया था। भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के अनुभवी विकेटकीपर दिनेश कार्तिक को लगता है कि भरत के अनुभव को उन्हें डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए स्वतः पसंद बनाना चाहिए।

कार्तिक ने कहा, "मुझे लगता है कि भरत आसान पसंद होंगे क्योंकि इशान किशन को पदार्पण करना है और सीधे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलना उम्मीद से कुछ ज्यादा हो जाएगा।" उन्होंने कहा, "और तथ्य यह है कि केएस भरत शायद बेहतर विकेटकीपर होने के कारण अपना पलड़ा भारी कर देते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि वे फाइनल के लिए केएस भरत के साथ जाएंगे।

केएस भरत या ईशान किशन, किसे मिलना चाहिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौका?

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 जून से इंग्लैंड के द ओवल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। हालांकि, इसको लेकर भारत के समक्ष एक बड़ी चुनौती है। बड़ा सवाल यही है कि प्लेइंग इलेवन में विकेटकीपर के रूप में किसे शामिल किया जाए। दरअसल, भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर ऋषभ पंत कार दुर्घटना में चोटिल हो गए थे और वह इससे उबर रहे हैं तो वहीं, उनके विकल्प के तौर पर देश जा रहे लोकेश राहुल की भी दाहिनी जांघ की सर्जरी की वजह से बाहर हैं। फिलहाल टीम में केएस भरत और ईशान किशन विकेटकीपर के तौर पर शामिल हैं। भरत इससे पहले बोर्डर-गावस्कर श्रृंखला के दौरान विकेटकीपिंग की थी। वहीं, ईशान को डेब्यू करना है।

भरत बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके है वहीं, ईशान फिलहाल अच्छे फॉर्म में नजर आए। ऐसे में दोनों में से किसे प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाए। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने इसपर इपनी राय रखी है। रवि शास्त्री ने कहा कि आपको देखना होगा कि कौन बेहतर विकेटकीपर है। क्या यह

भरत है या ईशान किशन? अब तथ्य यह है कि भरत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौका दिया गया था जहां उन्होंने सभी टेस्ट मैच खेले थे, मुझे लगता है कि वह एकादश में चुने जाने के लिए स्पष्ट पसंद होंगे। दूसरी ओर ईशान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौका नहीं मिला और आईपीएल के दौरान राहुल के चोटिल होने के बाद उन्हें डब्ल्यूटीसी की भारतीय टीम में शामिल किया गया। भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के अनुभवी विकेटकीपर दिनेश कार्तिक को लगता है कि भरत के अनुभव को उन्हें डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए स्वतः पसंद बनाना चाहिए। कार्तिक ने कहा, "मुझे लगता है कि भरत आसान पसंद होंगे क्योंकि इशान किशन को पदार्पण करना है और सीधे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलना उम्मीद से कुछ ज्यादा हो जाएगा।" उन्होंने कहा, "और तथ्य यह है कि केएस भरत शायद बेहतर विकेटकीपर होने के कारण अपना पलड़ा भारी कर देते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि वे फाइनल के लिए केएस भरत के साथ जाएंगे।

पीवी सिंधु मलेशिया मास्टर्स के सेमीफाइनल में, श्रीकांत हारे

कुआलालंपुर। दो बार की ओलंपिक चैम्पियन पी वी सिंधू मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गई जिसने महिला एकल में चीन की यि मान झांग को हराया। छठी वरीयता प्राप्त सिंधू ने निचली रैंकिंग वाली झांग को 21 . 16, 13 . 21, 22 . 20 से मात दी। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज सिंधू ने 18वीं रैंकिंग वाली झांग से आल इंग्लैंड ओपन के अंतिम 32 दौर में मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया।

सिंधू का सामना दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का टी से होगा जिसने चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त यि झि वांग को 21 . 18, 22 . 20 से मात दी। पुरूष एकल में किदाम्बी श्रीकांत को इंडोनेशिया के क्वालीफायर क्रिस्टियन एडिनाटा ने 16 . 21, 21 . 16, 21 . 11 से हरा दिया।

अगर गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुआ आईपीएल फाइनल मुकाबला

तो इन दो रिकॉर्ड को बनने से कोई नहीं रोक सकेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के लिए दूसरी फाइनलिस्ट टीम का नाम 26 मई को क्वालीफायर 2 के खत्म होते ही सामने आ जाएगा। इस मुकाबले में जीत हासिल करने वाली टीम का मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 28 मई को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। इस सीजन में गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन धमाकेदार रहा है जबकि मुंबई इंडियंस की टीम ने शुरुआती कुछ मुकाबलों में हारने के बाद दमदार वापसी की है।

गुजरात टाइटंस की टीम लगातार लीग में शीर्ष स्तान पर रही है जबकि मुंबई इंडियंस का सफर उतार चढ़ाव वाला रहा है। पहले क्वालीफायर में चेन्नई सुपर किंग्स से हारने के बाद गुजरात टाइटंस मुंबई इंडियंस को अपने होम ग्राउंड में हराने के इरादे से ही मैदान में उतरेगी, जो उसके लिए आसान हो सकता है। वहीं अगर इस मुकाबले में होम ग्राउंड पर गुजरात टाइटंस ने मुंबई इंडियंस को मात दी तो चेन्नई के साथ होने वाले फाइनल मुकाबले में कई शानदार रिकॉर्ड बनेंगे।

जानकारी के अनुसार आईपीएल के फाइनल मुकाबले में

दो बड़े रिकॉर्ड बन सकते हैं जिनका टूटना काफी मुश्किल होगा। अगर फाइनल मुकाबला चेन्नई और गुजरात के बीच होगा तो ये पहला मौका होगा जब टूर्नामेंट का पहला और अंतिम मुकाबला दोनों ही एक टीम के बीच खेले जाएंगे। इससे पहले अब तक 15 सीजन में ऐसा कभी नहीं हुआ कि पहला और अंतिम मुकाबला समान टीमों के बीच खेला जाए। बता दें कि इस सीजन का पहला मुकाबला 31 मार्च को गुजरात टाइटंस के होम ग्राउंड नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया था। जिस स्टेडियम और जिन टीमों के साथ इसकी शुरुआत हुई थी उसी के साथ टूर्नामेंट अंजाम तक भी पहुंचेगा ऐसा पहली बार हो सकता है। गुजरात टाइटंस की टीम वर्ष 2022 में ही आईपीएल में जुड़ी है और इसने अपने इनॉगरेशन सीजन में ही खिताब पर कब्जा किया था। वहीं अगर गुजरात इस बार भी फाइनल में पहुंचती है तो लगातार दूसरी बार शुरुआती सीजन से फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनेगी। अब तक 15 सीजन में ऐसा नहीं हुआ है कि किसी टीम ने पहले और दूसरे दोनों ही सीजन में फाइनल में जगह बनाने में सफलता हासिल की है। अगर गुजरात टाइटंस ये रिकॉर्ड बनाती है तो इसे तोड़ना आईपीएल के इतिहास में काफी मुश्किल होगा।

गौरतलब है कि अगर क्वालीफायर 2 में गुजरात की जीत होती है तो फाइनल मुकाबले में एक बार फिर से चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस की भिड़ंत देखने को मिलेगी जो पहले क्वालीफायर में देखने को मिली थी। दोनों ही टीमें बहुत शानदार है। गौरतलब है कि वर्तमान में गुजरात टाइटंस के शानदार बल्लेबाज शुभमन गिल बेहतरीन फॉर्म में चल रहे है। चेन्नई की टीम को जीत हासिल करने के लिए गिल को जल्दी ही चलता करना होगा। ऐसे में चेन्नई सुपर किंग्स के सभी खिलाड़ियों की निगाहें बेहतरीन फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल पर होंगी। शुभमन गिल के लिए चेन्नई की टीम खास रणनीति तैयार करेगी ताकि मैच पर टीम की मजबूत पकड़ हो सके।

नीरज चोपड़ा के फिनलैंड में अभ्यास को मंजूरी मिली

नई दिल्ली। ओलंपिक चैम्पियन भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को जून में होने वाले गोल्ड स्तर के दो टूर्नामेंटों के लिये फिनलैंड में अभ्यास को बृहस्पतिवार को मंजूरी मिल गई। युवा कार्य और खेल मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार तोक्यो ओलंपिक चैम्पियन चोपड़ा फिनलैंड के कुओर्ताने ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर पर अभ्यास करना चाहते हैं। हाल ही में विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे चोपड़ा ने 2022 में भी वहां अभ्यास किया था।

अन्य प्रस्तावों में मिशन ओलंपिक सेल ने टेबल टेनिस खिलाड़ी पायस जैन के ताईवान में अभ्यास को भी मंजूरी दे दी।

सीनियर टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और साथियान ज्ञानशेखरन के निजी कोचों को विभिन्न टूर्नामेंटों में साथ ले जाने को भी मंजूरी दे दी। वित्तीय सहायता में हवाई यात्रा का खर्च, शिविर का खर्च, रहने और चिकित्सा बीमा का खर्च और आउट आफ पॉकेट भत्ता शामिल होगा। एमओसी सदस्यों ने नौकायन खिलाड़ी सलमान खान को टॉप्स विकास समूह में शामिल किया।

ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद भारतीय महिला टीम 'ए' टीम से भी हारी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम जुझारू प्रदर्शन के बावजूद यहां आस्ट्रेलिया ए से 2 . 3 से हार गई। भारत के लिये सलीमा टेटे (40वां मिनट) और संगीता कुमार (54वां मिनट)ने एक एक गोल किया जबकि आस्ट्रेलिया के लिये एलिस अर्नोट (18वां) और रूबी हैरिस (20वां और 35वां मिनट) ने गोल दागे। पहले क्वार्टर में मेजबान को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारत का डिफेंस चुस्त रहा और कोई गोल नहीं हो सका। दूसरे क्वार्टर में भारत ने गेंद पर दबदबा बनाये रखा लेकिन आस्ट्रेलिया ए ने अर्नोट के गोल के दम पर बढत बना ली। हैरिस ने दो मिनट बाद गोल करके यह बढत दुगुनी कर दी।

दो गोल से पिछड़ने के बाद

भारतीयों ने आक्रामक खेल दिखाया और अच्छे हमले भी बोले लेकिन गोल नहीं कर सके। हाफटाइम तक आस्ट्रेलिया ए के पास दो गोल की बढत थी। तीसरे क्वार्टर में हैरिस ने 35वें मिनट में तीसरा गोल दागा। इसके कुछ मिनट बाद टेटे ने भारत के लिये पहला गोल दागा। चौथे क्वार्टर में भारत को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सके। संगीता कुमारी ने आखिरी मिनटों में गोल करके वापसी की उम्मीदें जगाई लेकिन भारतीय टीम तीसरा गोल नहीं कर सकी। इससे पहले भारतीय टीम को आस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला में 2 . 0 से हराया था जबकि तीसरा मैच 1 . 1 से ड्रॉ रहा था।

आधुनिक समाचार वैन अत्याधुनिक कैमरे से लैस लाइव कवरेज के दौरान

सम्पादकीय

क्यों गलत है अमेरिका

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता, 2022 रिपोर्ट में चीन, ईरान और म्यांमार के साथ भारत में भी अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है, जिस पर भारत सरकार ने ठीक ही कड़ा ऐतराज जाहिर किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस रिपोर्ट को भेदभावपूर्ण बताते हुए इसे खारिज किया है। उसने इस ओर ध्यान दिलाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की आधिकारिक यात्रा से एक महीने पहले जारी की गई यह रिपोर्ट पक्षपातपूर्ण है और उसने नीयत पर भी सवाल उठाया है। रिपोर्ट में भारत के कई राज्यों में अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों पर हमले होने, उनकी हत्या किए जाने और उन्हें डराए-धमकाए जाने का आरोप है। इसमें हेट स्पीच, गोरक्षकों और लव जिहाद जैसे मुद्दों के साथ कुछेक जगहों पर सांप्रदायिक हिंसा की भी बात कही गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 28 में से 13 राज्यों में धर्मांतरण पर रोक के लिए कानून बने हुए हैं। इनमें से कुछ राज्यों में शादी के लिए जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए जुर्माने का भी प्रावधान है। एक दिलचस्प बात यह भी है कि इस रिपोर्ट में भारत के खिलाफ वही बातें दी गई हैं, जो इससे एक साल पहले जारी की गई रिपोर्ट में थीं। वैसे, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि गोरक्षकों ने अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ लोगों को निशाना बनाया है। इसी तरह, हेट स्पीच के भी कुछ मामले सामने आए हैं। लेकिन इन अपराधों के पीछे अक्सर हाशिये के संगठन होते हैं या ऐसे लोग जिनका मकसद सुर्खियां बटोरना होता है। ऐसे अपराधियों से निपटने के लिए देश में कानून और अदालतें हैं। संविधान ने धार्मिक आजादी का जो अधिकार नागरिकों को दिया है, अदालतें उसकी संरक्षक हैं और वे अपना काम बखूबी कर रही हैं। हेट स्पीच की ही बात करें तो सुप्रीम कोर्ट का रुख इसे लेकर काफी सख्त रहा है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक से अधिक बार धार्मिक आधार पर नफरत फैलाने वालों को चेतावनी दे चुके हैं। इसके उलट चीन के शिनच्यांग में उइगुरों को संगठित तरीके से प्रताड़ित किया जा रहा है। वहां की कम्युनिस्ट सरकार ने मुस्लिम अल्पसंख्यकों पर कई तरह की पाबंदियां लगा रखी हैं। उसे मस्जिदों का अरबी आर्किटेक्चर तक पसंद नहीं है। म्यांमार में भी रखाइन प्रांत में रहने वाले रोहिंग्या मुसलमानों को वहां के सैन्य शासकों ने निशाना बनाया। उनकी बड़े पैमाने पर हत्या की गई और रोहिंग्या को देश छोड़ने को मजबूर किया गया। इससे पूरे इलाके में बौद्धों और मुसलमानों की आबादी का अनुपात बदल गया। यही नहीं, इससे भारत और बांग्लादेश जैसे देशों में शरणार्थी संकट भी खड़ा हुआ। इसलिए किसी भी सूरत में चीन और म्यांमार जैसे देशों से भारत की तुलना नहीं की जा सकती। अमेरिका को यह सचाई समझनी होगी। उसे यह भी समझना होगा कि अगर भारत उभरते हुए वर्ल्ड ऑर्डर में अमेरिका का साझेदार है तो उसके साथ एक सहयोगी देश जैसा ही बर्ताव होना चाहिए।

लोकतंत्र की जननी भारत के संवैधानिक मूल्यों को समृद्ध करेगा नया संसद भवन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को संसद के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। भारत में संसद को लोकतंत्र का मंदिर कहा जाता है। लोकतंत्र में संसद का वही स्थान है, जो भारतीय संस्कृति में भगवान का है। हमारे संविधान निर्माताओं ने इसलिए कहा भी था कि लोकतंत्र में प्रत्येक विचार का केंद्र बिंदु संसद ही है और राष्ट्र निर्माण में उसकी अहम भूमिका है। लोकसभा तथा राज्यसभा, दोनों सदनों ने 5 अगस्त 2019 को सरकार से संसद के नए भवन के निर्माण के लिए आग्रह किया था। इसके बाद 10 दिसंबर 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के नए भवन का शिलान्यास किया था। संसद के नवनिर्मित भवन को गुणवत्ता के साथ रिकॉर्ड समय में तैयार किया गया है। चार मंजिला संसद भवन में 1272 सांसदों के बैठने की व्यवस्था की गई है। संसद के वर्तमान भवन में लोकसभा में 550, जबकि राज्यसभा में 250 माननीय सदस्यों की बैठक की व्यवस्था है। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए संसद के नवनिर्मित भवन में लोकसभा में 888, जबकि राज्यसभा में 384 सदस्यों की बैठक की व्यवस्था की गई है। दोनों सदनों का संयुक्त सत्र लोकसभा चेंबर में ही होगा। संसद सदस्यों के लिए एक लाउंज, एक पुस्तकालय, कई समिति कक्ष, भोजन क्षेत्र और पर्याप्त पार्किंग स्थान भी होगा। लेकिन आम नागरिकों के लिए जरूरी है कि वह लोकतंत्र में संसद की क्या भूमिका है, इसको भी समझें। दुनिया में 13वीं शताब्दी में रचित मैग्ना कार्टा की बहुत चर्चा होती है। कुछ विद्वान इसे लोकतंत्र की बुनियाद भी कहते हैं। लेकिन बहुत कम लोग यह बात जानते हैं कि मैग्ना कार्टा से भी पहले 12वीं शताब्दी में ही भारत में भगवान बसवेश्वर का 'अनुभव मंटपम' अस्तित्व में आ चुका था। 'अनुभव मंटपम' के रूप में उन्होंने लोक संसद का न सिर्फ निर्माण किया था, बल्कि उसका संचालन भी सुनिश्चित किया था। भगवान बसवेश्वर जी ने कहा था- 'यी अनुभव मंटप जन सभा, नादिना मद्ध राष्ट्रद्धा उन्नतिगे हागू, अभिवृध्दिगे पूरकावगी केलसा मादुत्थादे!' यानि ये अनुभव मंटपम, एक ऐसी जनसभा है, जो राज्य और राष्ट्र के हित में और उनकी उन्नति के लिए सभी को एकजुट होकर काम करने के लिए प्रेरित करती है। मुझे लगता है कि अनुभव मंटपम, लोकतंत्र का ही एक स्वरूप था। इसी तरह तमिलनाडु में चेन्नई से 80 किलोमीटर दूर उत्तरामेरुर नाम के गांव में एक बहुत ही ऐतिहासिक साक्ष्य दिखाई देता है। इस गांव में चोल साम्राज्य के दौरान 10वीं शताब्दी में पत्थरों पर तमिल में लिखी गई पंचायत व्यवस्था का वर्णन है। इसमें बताया गया है कि कैसे हर गांव को कुड्डुंबु में बांटा जाता था, जिन्हें हम आज वार्ड कहते हैं। इन कुड्डुंबुओं से एक-एक प्रतिनिधि महासभा में भेजा जाता था और वैसा आज भी होता है। इस गांव में हजार वर्ष पूर्व जो महासभा लगती थी, वो आज भी वहां मौजूद है। एक हजार वर्ष पूर्व बनी इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक और बात बहुत महत्वपूर्ण थी। पत्थर पर लिखा हुआ है कि जनप्रतिनिधि को चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित करने का भी प्रावधान था। जो जनप्रतिनिधि अपनी संपत्ति का ब्योरा नहीं देगा, वो और उसके करीबी रिश्तेदार चुनाव

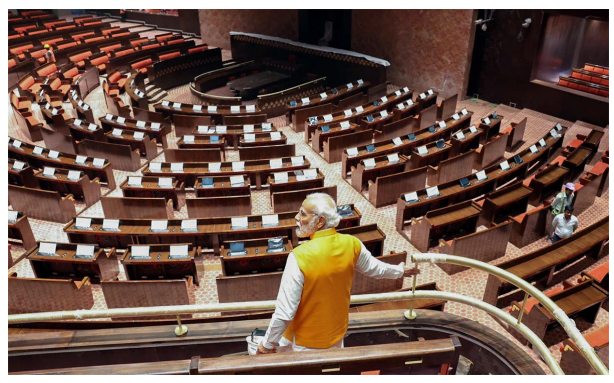

नहीं लड़ पाएंगे। आप सोचिए कितने सालों पहले, कितनी बारीकी से उस समय हर पहलू के बारे में सोचा गया था, समझा गया था और अपनी लोकतांत्रिक परंपराओं का हिस्सा बनाया गया था। लोकतंत्र का हमारा ये इतिहास देश के हर कोने में नजर आता है। कुछ पुरातन शब्दों से तो हम बराबर परिचित हैं, जैसे सभा, समिति, गणपति, गणाधिपति। ये शब्दावली हमारे मन मस्तिष्क में सदियों से प्रवाहित है। सदियों पहले शाक्या, मल्लम और वेज्जी जैसे गणतंत्र हों, मल्लक मरक और कम्बोज जैसे गणराज्य हों या फिर मौर्य काल में कलिंग, सभी ने लोकतंत्र को ही शासन का आधार बनाया था। हजारों साल पहले रचित हमारे ऋग्वेद में लोकतंत्र के विचार को समज्ञान यानि समूह चेतना के रूप में देखा गया था। संसदीय व्यवस्था में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सतत संवाद, सहमति, सहयोग, सहकार, स्वीकार और सम्मान का भाव प्रबल होना ही चाहिए। यही लोकतंत्र की विशेषता है। इसी में संसदीय परंपरा की महिमा और गरिमा है। संभव है, इसे कुछ लोग कोरी राजनीति कहकर विशेष महत्व न दें, बल्कि सीधे खारिज कर दें, परंतु मूल्यों के अवमूल्यन के इस दौर में ऐसी राजनीति की महती आवश्यकता है। ऐसी राजनीति ही राष्ट्र-नीति बनने की संभावना रखती है। ऐसी राजनीति से ही देश एवं व्यवस्था का सुचारू संचालन संभव होगा। केवल विरोध के लिए विरोध की राजनीति से देश को कुछ भी हासिल नहीं होगा। विपक्ष को साथ लेना यदि सत्तापक्ष की जिम्मेदारी है, तो विपक्ष की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वह राष्ट्रीय हितों के मुद्दों पर सरकार का साथ दे, सहयोग करे, जनभावनाओं की मुखर अभिव्यक्ति के साथ-साथ विधायी एवं संसदीय प्रक्रिया एवं कामकाज को गति प्रदान करे। लोकतंत्र में सरकार न्यासी और विपक्ष प्रहरी की भूमिका निभाए।

भारत की सबसे बड़ी ताकत इसकी सफल बहुदलीय संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली है। एक सजीव, गतिशील और बहुदलीय प्रणाली में ऐसे अवसर हो सकते हैं जब विभिन्न संस्थाएं एक विशेष तरीके से काम करें, किंतु हमारे पास व्यवस्था में किसी भी मनमुटाव को दूर करने और किसी भी संकट से बचने की क्षमता है। आप देखिए कि भारत की संसद अपनी प्रकृति और परंपरा में औरों से बिल्कुल अलग है। यहां प्रीति और कलह साथ-साथ चलते हैं। भारत की रीति-नीति-प्रकृति से अनजान व्यक्ति को संसद में होने वाली गर्मागर्म बहसों को देखकर अचानक लड़ाई-झगड़े का भ्रम हो उठेगा, परंतु ये चर्चाएं हमारे विचार विनिमय के जीवंत प्रमाण हैं। यहां मतभेद तो हो सकते हैं, पर मनभेद की स्थायी गांठ को कोई नहीं पालना चाहता और मतभेद चाहे विरोध के स्तर तक क्यों न चले जाएं, परंतु विशेष अवसरों पर साथ निभाना और सहयोग देना हमें बखूबी आता है। यही वह संसद है, जिसमें अटल बिहारी वाजपेयी, ज्योतिर्मय बसु, मधु लिमये, पीलू मोदी, जगजीवन राम, चौधरी चरण सिंह, चंद्रशेखर, जॉर्ज फर्नांडीज, हेमवती नंदन बहुगुणा, नरसिंह राव, प्रणब मुखर्जी, सुषमा स्वराज जैसे दिग्गज सांसदों ने पक्ष-विपक्ष में रहकर आदर्श लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत किया और नैतिक मूल्यों और संस्कारों की रक्षा की। मान-मर्यादा हमारी परंपरा का सबसे मान्य, परिचित और प्रचलित शब्द है। हम अपने-पराए सभी को मुक्त कंठ से गले लगाते हैं, भिन्न विचारों का केवल सम्मान ही नहीं करते, अपितु एक ही परिवार में रहते हुए भिन्न-भिन्न विचारों को जीते-समझते हैं और विरोध की रौ में बहकर कभी लोक-मर्यादाओं को नहीं तोड़ते। यही भारत की संसद की रीति है, नीति है, प्रकृति है और संस्कृति है। मुझे पूरी उम्मीद है कि संसद का नवनिर्मित भवन भारत की गौरवशाली लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों को और अधिक समृद्ध करने का कार्य करेगा। साथ ही अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त इस भवन में सदस्यों को अपने कार्यों को और बेहतर तरीके से करने में भी सहायता मिलेगी

हिरोशिमा में मोदी ने जो अमन का रास्ता सुझाया, उस पर चलकर विश्व में शांति स्थापित हो सकती है

भारत समूची दुनिया में एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा हैं, महाशक्तिशाली राष्ट्र भी भारत की ओर आशाभरी निगाहों से देख रहे हैं। हिरोशिमा में जी-7 सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी मानवतावादी सोच एवं युद्ध-हिंसामुक्त नयी दुनिया को निर्मित करने के संकल्प के लिये सबकी आंखों के तारे बने हैं, जापान के समाचार-पत्रों में उन्होंने सुर्खियां बटोरी हैं, यह भारत के लिये गर्व एवं गौरव का विषय है। मोदी ने अपने वक्तव्य में यूक्रेन में युद्ध दुनिया के लिए एक बड़ी चिंता है कहकर न केवल पूरे विश्व को प्रभावित किया है, बल्कि सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। हिरोशिमा में युद्ध, हिंसा, आतंकवाद, पर्यावरण, बढ़ती जनसंख्या, आपसी सहयोग जैसे विषयों पर साफ-साफ चर्चा करते हुए मोदी ने भारत की धरती से घोषित हुए 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' एवं 'वसुधैव कुटुम्बकम' मंत्रों को दुनिया के लिये उपयोगी साबित किया है। इस तरह मोदी की भूमिका से उनके बढ़ते कद का भी पता चलता है और इसका भी कि विश्व समुदाय भारत की बात सुन रहा है। भारत प्रारंभ से ही शांति, अयुद्ध एवं अहिंसा की वकालत करता रहा है। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने भारत की इस सोच को बल दिया है, एक अहिंसा एवं शांतिवादी नेता के रूप में अपनी पहचान बनायी है। मोदी ने भारत पर तीखी हिंसक नजरें रखने वाले देशों को भी सदैव अहिंसक तरीकों से लाइन पर लाने की चेष्टा की है। मानवतावादी एवं अहिंसक सोच का परिणाम है कि पाकिस्तान के लगातार आतंक फैलाने एवं भारत की शांति को भंग करने की घटनाओं के बावजूद उन्होंने कभी युद्ध एवं हिंसा का सहारा नहीं लिया, अन्यथा पाकिस्तान की आज जैसी दुर्दशा है, चाहे जब हिंसा का जवाब हिंसा से या युद्ध से दिया जा सकता है। चीन के लगातार भारत के खिलाफ हो रहे षड्यंत्रों के बावजूद भारत ने संयम बरता है। हिरोशिमा में भारत एक नयी पहचान लेकर उभरा। मोदी का यूक्रेन के मामले में यह कथन विश्व स्तर पर खूब चर्चित हुआ था कि यह युग युद्ध का नहीं, शांति का है। खास बात यह थी कि उन्होंने यह बात रूसी राष्ट्रपति पुतिन से कही थी। हिरोशिमा में उन्होंने यूक्रेन संकट को लेकर यह भी कहा कि मैं इसे राजनीतिक या आर्थिक विषय नहीं, बल्कि मानवता और मानवीय मूल्यों का मुद्दा मानता हूं। यह कहना कठिन है कि भारतीय प्रधानमंत्री की इन बातों का कितना असर होगा, रूस-यूक्रेन संघर्ष रोकने में कोई सकारात्मक परिवेश बन सकेगा-कहना इतना आसान नहीं है। लेकिन दुनिया के लिये क्या हितकारी है, यह तो समझा ही जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह कहकर रूस के साथ चीन को भी निशाने पर लिया कि सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय कानूनों और एक-दूसरे की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए। किसी को कोई संशय न रहे, इसलिए उन्होंने यह स्पष्ट करने में भी संकोच नहीं किया कि यथास्थिति बदलने के एकतरफा प्रयासों के खिलाफ आवाज उठानी होगी। ऐसी कोई टिप्पणी इसलिए आवश्यक थी कि एक ओर जहां रूस यूक्रेन की संप्रभुता एवं उसकी अखंडता की अनदेखी कर यथास्थिति बदलने की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर चीन भी अपने पड़ोस में यही काम करने में लगा हुआ है। चीन की विस्तारवादी हरकतों और सीमा विवाद के मामले में उसके अड़ियल रवैये

की चपेट में भारत भी है। भारत के लिए जितना आवश्यक यह है कि वह रूस को नसीहत देने में संकोच न करे, उतना ही यह भी कि चीन को आईना दिखाने का कोई अवसर न गंवाए। यह अच्छी बात है कि भारत यह काम लगातार कर रहा है। शंघाई सहयोग संगठन, क्वॉड, जी-20 और जी-7 के मंचों से वह अपनी बात कहने में जिस तरह हिचक नहीं रहा, उससे यही पता चलता है कि अंतरराष्ट्रीय पटल पर मोदी के नेतृत्व में एक नया भारत आकार ले रहा है।

शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ने यूक्रेन के प्रधानमंत्री वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की और युद्ध समाप्त करने पर जोर दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से प्रधानमंत्री जब मिले थे, तब भी उन्होंने युद्ध समाप्त करने पर जोर दिया था क्योंकि युद्ध से समूची दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है और महंगाई जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ा तो पूरी दुनिया की नजर भारत पर टिक गई थी। माना जा रहा था कि भारत के प्रयासों से इसे रोकने में मदद मिल सकती है। इसलिए कि भारत रूस का घनिष्ठ मित्र है और उसकी मध्यस्थता का उस पर असर हो सकता है। भारत ने इसके लिए पूरा प्रयास किया भी है। जब भी प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से बात की, उन्होंने उसे सुना तो ध्यान से मगर किया अपने मन की। यूक्रेन से भारत की निकटता रही है, इसलिए वह भी भारत के सुझावों को गंभीरता से लेता रहा है। ऐसे में जब प्रधानमंत्री ने हिरोशिमा में जेलेंस्की से अलग से बात की और फिर सम्मेलन के मंच से दोनों देशों के बीच चल रहे युद्ध को मानवता के लिए गंभीर संकट बताया, तो सभी सदस्य देशों ने उस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

समूची दुनिया युद्ध-मुक्त परिवेश चाहती है। चीन जैसे कुछ देश हैं जो इस सोच में बाधा बने हुए हैं। पश्चिमी देशों ने पहले ही तय कर रखा था कि इस सम्मेलन में रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। समूह सात के देशों ने चीन का नाम लिए बिना कड़ी निंदा की और कहा कि उसे रूस पर यह युद्ध रोकने के लिए दबाव बनाना चाहिए। दरअसल, रूस और यूक्रेन युद्ध अब जिस मोड़ पर पहुंच गया है, वहां किसी तरह के समझौते की गुंजाइश नजर नहीं आती। पश्चिमी देश खुल कर यूक्रेन के पक्ष में उतर आए हैं, तो चीन खुलकर रूस के साथ खड़ा है। रूस के हमले यूक्रेन पर भारी पड़ रहे हैं। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंका बनी रहती है। ऐसे में भारत के लिए मध्यस्थता की कोई जगह तलाशना आसान नहीं रह गई है। रूस पर वह दबाव बनाने की कोशिश भी करे, तो कैसे। चीन एक बड़ा रोड़ा है। हकीकत यही है कि इस युद्ध ने मानवता के लिए बड़ा संकट पैदा कर दिया है। अब दुनिया में युद्ध का अंधेरा नहीं, बल्कि शांति का उजाला हो, उसके लिये आवश्यक है- दुनिया के देशों के बीच सहज रिश्ते कायम हों। आज हमारी कड़वी जीभ ए.के. 47 से ज्यादा घाव कर रही है। हमारे गुस्सैल नथुने मिथेन से भी ज्यादा विषैली गैस छोड़ रहे हैं। हमारे दिमागों में भी स्वार्थ का शैतान बैठा हुआ है। यह सब उत्पन्न न हो, ऐसे मनुष्य का निर्माण हो। मनुष्य का आंतरिक रसायन भी बदले, तो बाहरी प्रदूषण में भी परिवर्तन आ सकता है और वह ऐसे सम्मेलनों में पारित प्रस्ताव की तरह केवल कागजों पर नहीं होगा। कभी आंतरिक प्रदूषण के बारे में भी ऐसे सम्मेलन हों। आंतरिक प्रदूषण के अणु भी कितने विनाशकारी होते हैं। यही बात इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने समझाने की कोशिश की है। महात्मा गांधी के प्रिय भजन की वह पंक्ति- "सबको सन्मति दे भगवान" में फिलहाल थोड़ा परिवर्तन हो- "केवल आकाओं को सन्मति दे भगवान"। एक व्यक्ति पहाड़ (जिद के) पर चढ़कर नीचे खड़े लोगों को चिल्लाकर कहता है, तुम सब मुझे बहुत छोटे दिखाई देते हो। प्रत्युत्तर में नीचे से आवाज आई तुम भी हमें बहुत छोटे दिखाई देते हो। बस! यही कहानी एवं रूस और यूक्रेन युद्ध की स्थितियां तब तक दोहराई जाती रहेंगी जब तक आम सहमति सर्वानुमति नहीं बनेगी। इसी के लिये प्रधानमंत्री प्रयासरत हैं। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय मामलों में न केवल भारत की अहमियत बढ़ी है, बल्कि प्रमुख देश उससे सहयोग, संपर्क और संवाद के सिलसिले को गति देने में लगे हुए हैं। शायद यही कारण रहा कि आस्ट्रेलिया में क्वॉड की बैठक स्थगित हो जाने के बाद भी भारतीय प्रधानमंत्री वहां गये हैं। इसके बाद उन्हें अमेरिका भी जाना है। आज आवश्यक केवल यह नहीं है कि भारत अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी सक्रियता बढ़ाए, बल्कि यह भी है कि सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए अपनी दावेदारी आगे बढ़ाता रहे। इसी से दुनिया में शांति एवं मानवतादी सोच का धरातल सुदृढ़ होगा।

चुनाव दर चुनाव हार मिलने के कारण मायावती अब कांशीराम ब्रांड सियासत की ओर लौटेंगी

हिन्दुस्तान की सियासत में दलित चिंतक और संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर के कद का कोई दूसरा दलित नेता नहीं 'पैदा' हुआ। उनके बाद देश की सक्रिय राजनीति में जो दो बड़े दलित नेता हुए। उसमें एक थे कांग्रेस पार्टी के बाबू जगजीवन राम तो दूसरे थे कांशीराम, जिन्हें उनके चाहने वाले मान्यवर कहकर बुलाते थे। जगजीवन राम राजनीति का बड़ा दलित चेहरा तो जरूर थे, लेकिन कांग्रेस ने उनके हाथ-पैर बांध रखे थे। कांग्रेस का नेतृत्व समय देखकर उनका 'इस्तेमाल' करता था। वहीं दूसरे बड़े नेता कांशीराम ने अपने बल पर दलित राजनीति में अपना मुकाम हासिल किया। उन्होंने दलित सियासत का चेहरा ही बदलकर रख दिया। दलित समाज में चेतना जगाने का काम कांशीराम से बेहतर शायद ही किसी ने किया होगा। कांशीराम ने दलित राजनीति का ऐसा समीकरण तैयार किया जिसके बल पर उन्होंने उत्तर प्रदेश को पहला दलित मुख्यमंत्री मायावती को बनवा दिया। कांशीराम ने यह चमत्कार पार्टी गठन के एक दशक बाद ही कर दिखाया। अपने अंतिम समय में कांशीराम ने मायावती को ही अपना सियासी उत्तराधिकारी भी घोषित कर दिया। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी मान्यवर कांशीराम की सियासत को आगे बढ़ाने का काम बखूबी पूरा किया। लेकिन बीच-बीच में वह कांशीराम के दिखाए रास्ते से भटकती भी रहीं। जिसका मायावती को खामियाजा भी भुगतना पड़ा। इसी भटकाव के चलते 2012 के बाद से मायावती की सत्ता में वापसी नहीं हो पाई। वह चुनाव दर चुनाव हारती गईं। इन्हीं लगातार मिलने वाली हार से सबक लेते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती अब एक बार फिर अपने राजनैतिक गुरु मान्यवर कांशीराम के पद चिन्हों पर आगे बढ़ती नजर आ रही हैं। वह कांशीराम की विचार धारा और उनके चर्चित नारों को भी धार देने लगी हैं। इस बात का अहसास तब हुआ जब उन्होंने बसपा पदाधिकारियों की मीटिंग में मान्यवर कांशीराम के एक पुराने नारे को फिर से 'जिंदा' कर दिया। गौरतलब है कि कांशीराम की राजनीति के साथ-साथ उनके नारे भी बहुत चर्चा में रहा करते थे। इन नारों को लेकर हंगामा भी खूब हुआ। 1973 में बाबा साहेब अंबेडकर के जन्मदिन पर उन्होंने ऑल इंडिया बैकवर्ड माइनॉरिटी कम्युनिटीज एम्प्लाइज फेडरेशन नाम का संगठन बनाया जो बामसेफ के नाम से चर्चित हुआ। इस संगठन के बैनर तले वह शोषित पीड़ित समाज को एकजुट करते रहे। 1981 के आते-आते उन्हें संगठन में बदलाव की जरूरत महसूस हुई तो उन्होंने इसे नया नाम दिया 'दलित शोषित समाज संघर्ष समिति' शॉर्ट में ये डीएस-4 कहा गया। इस संगठन के तेवर काफी तीखे थे। इस संगठन के साथ एक नारा चलता था- 'ठाकुर-ब्राह्मण-बनिया छोड़ बाकी सब हैं सब डीएस-4। दलितों को अधिकार के लिए राजनीति में उतरे कांशीराम को नारों ने अलग पहचान दिलाई। उनका एक नारा खूब चर्चित हुआ था- तिलक-तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार। 90 के दशक में जब ये नारा पहली बार सामने आया तो हंगामा मच गया। कहते हैं कि कांशीराम जब मंच पर आते तो पहले ही ऊंची जातियों को उठकर जाने को कह दिया करते थे। हालांकि, बाद में बहुजन समाज पार्टी ने इससे किनारा कर लिया था। मायावती ने भी इस नारे से दूरी बना ली थी। मगर अब

बसपा सुप्रीमो को तमाम चुनावों में मिल रही हार के बाद एक बार फिर बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक मान्यवर कांशीराम की 'याद' आने लगी है। बसपा की स्थापना के समय मान्यवर कांशीराम द्वारा दिया गया नारा 'वोट हमारा, राज तुम्हारा, नहीं चलेगा' एक बार फिर चर्चा में है। चर्चा इसलिए है क्योंकि नगर निकाय चुनाव में हार के बाद खुद बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों को यह नारा याद दिलाया है। इसी नारे के सहारे बसपा सुप्रीमो ने अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं से गांव-गांव तक जाने और लोकसभा चुनाव 2024 में हालात बदलने का आह्वान किया है। अब इसको लेकर हर तरफ सवाल यही है कि क्या मायावती एक बार फिर दलित वोटों की तरफ मजबूती के साथ लौट कर अपना खोया हुआ जनाधार पाना चाहती हैं। गौरतलब है कि बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक और दलित चिंतक 1983-84 के दौर में जब अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत बना रहे थे, तभी 'वोट हमारा, राज तुम्हारा, नहीं चलेगा' नारा उनकी तरफ से उछाला गया था। यह नारा बसपा के गठन के बाद भी काफी तक पार्टी के कार्यक्रमों में गूंजता रहा। खासतौर से दलितों और अति पिछड़ों में राजनीतिक चेतना का संचार करने के लिए यह नारा गढ़ा गया था। हालांकि, बाद में वह दौर भी आया, जब ये नारे बसपा की लिस्ट से गायब हो गए और 2007 में नई तरह की सोशल इंजीनियरिंग की गई। पार्टी में ब्राह्मणों को और अन्य सवर्णों को तवज्जो मिली और बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। हालांकि, उसके बाद से यह सोशल इंजीनियरिंग काम नहीं आई और लगातार बसपा का जनाधार घटता जा रहा है। मायावती ने दलित-मुस्लिम कार्ड भी खेला और ब्राह्मण-दलितों को एक साथ लाने का भी भी दांव चला, परंतु नतीजे कभी उनके पक्ष में नहीं आए। हाल में सम्पन्न उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव के जरिए पार्टी में नया जोश भरने की कोशिश की गई, लेकिन इसमें भी प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इस हार के बाद ही बसपा को फिर से चार दशक पुराना नारा याद आया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि हार के बाद बसपा प्रमुख ने सभी कोऑर्डिनेटरों से फीडबैक लिया। इसमें यह बात सामने आई कि वोट प्रतिशत काफी कम रहा है। महापौर की सभी 17 सीटों पर प्रत्याशी उतारने के बाद महज 12 प्रतिशत वोट मिले हैं। छिटके हुए दलितों को भी वापस लाने में कामयाबी नहीं मिली। जाटवों को छोड़कर बाकी ज्यादातर दलित जातियों में पार्टी पैठ नहीं बना सकी है। ऐसे में बसपा की चिंता यह भी है कि वह अपने बेस वोटबैंक दलितों को कैसे आकर्षित करे। इसके साथ ही अति-पिछड़ी जातियां बसपा से दूरी बनाए हुए हैं। उनको लेकर भी मंथन हुआ। सभी दलितों और अति-पछड़ों में राजनीतिक चेतना जागृत करने के मकसद से ही बसपा ने पुराने नारे के साथ 2024 में जाने का निर्णय लिया है। पार्टी को चिंता इस बात की भी है कि काफी कोशिशों के बावजूद वह युवाओं को आकर्षित नहीं कर पा रही है। इसके लिए वह फिर नए सिरे से बूथ स्तर तक संगठन में 50 फीसदी युवाओं की भागेदारी को बढ़ाने जा रही है। मायावती को इसलिए भी कांशीराम ब्रांड सियासत की तरफ रुख करना पड़ रहा है क्योंकि आजकल सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी दलित वोटरों पर डोरे डाल रहे हैं। उन्हें लगता है कि बसपा के कमजोर होने पर उसका दलित वोटर समाजवादी पार्टी के पाले में आ सकता है। ऐसा इसलिए भी होता दिख रहा है क्योंकि 2014 में देश की राजनीति में बदले हुए राजनीतिक समीकरण के बाद जहां एक तरफ क्षेत्रीय पार्टियों का जनाधार लगातार गिर रहा है। वहीं अब समाजवादी पार्टी को भी लग रहा है कि यादव और मुस्लिम बिरादरी के साथ-साथ अब एक ऐसे राजनीतिक गठबंधन की जरूरत है जो उनके लिए एक बड़ा वोट बैंक बने। अब अखिलेश यादव को भी लगने लगा है कि यादव और मुस्लिम बिरादरी के साथ-साथ ऐसे वोट बैंक की जरूरत है जो ना सिर्फ इन्हें मजबूत कर सके बल्कि राजनीतिक और जाति समीकरण के आधार पर इनके नेताओं को विधानसभा पहुंचाने में भी कारगर साबित हो। ऐसे में हाल ही में अखिलेश यादव ने एक बड़ा दांव खेलते हुए दलितों के मसीहा माने जाने वाले कांशीराम की मूर्ति का अनावरण करने की बात कही थी।

संक्षिप्त समाचार

खुद को आईबी अधिकारी बताकर लोगों को चूना लगाने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

शिलांग। मेघालय में 39 वर्षीय व्यक्ति ने खुद को गृह मंत्रालय का आईबी अधिकारी बताते हुए, नौकरी की तलाश कर रहे 38 लोगों से कथित तौर पर 80 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस अधीक्षक (शहर) विवेक सियम ने यह जानकारी देते हुए 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बृहस्पतिवार को वाहिंगदोह के रिचर्ड तिपलांग स्वेर को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि वाहिंगदोह में उसके घर से सायरन और वीआईपी बत्ती लगा एक वाहन, मोबाइल फोन, लैपटॉप तथा आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। स्वेर के खिलाफ मावलई पुलिस थाने और लुम्दिंगरी पुलिस थाने में दो मामले दर्ज किए गए हैं।

वियतजेट की उड़ान हुई बाधित, यात्री मुंबई हवाई अड्डे पर फंसे

मुंबई। वियतजेट की एक उड़ान बाधित होने के कारण विमान के कम से कम 300 यात्री यहां फंसे हुए हैं। यह विमान वियतनाम के हो ची मिन्ह सिटी जा रहा था। एक यात्री के मुताबिक विमान में खराबी के कारण उन्हें करीब 10 घंटे तक शहर के हवाई अड्डे पर इंतजार करना पड़ा। नाम न छापने की शर्त पर एक यात्री ने आरोप लगाया कि एयरलाइन ने लंबे समय तक इंतजार करने के बावजूद यात्रियों के लिए होटल में ठहरने या खाने की व्यवस्था नहीं की। डीजीसीए के नियमों के तहत अगर किसी उड़ान में निर्धारित समय से अधिक देरी होती है, तो संबंधित एयरलाइन को यात्रियों के रहने और भोजना का इंतजाम करना होगा। इस संबंध में वियतजेट को भेजे गए प्रश्नों के जवाब खबर लिखे जाने तक नहीं मिले थे।

दक्षिण कोरिया में एक यात्री ने विमान के उड़ान भरने के दौरान दरवाजा खोला

सियोल। दक्षिण कोरिया के एक विमान के उड़ान भरने के दौरान एक यात्री ने शुक्रवार को आपातकालीन द्वार खोल दिया जिससे केबिन के अंदर हवा भर गयी। हालांकि, विमान बाद में सुरक्षित उतर गया। एअरलाइन और सरकारी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। परिवहन मंत्रालय ने बताया कि एशियाना एअरलाइंस एअरबस ए321 विमान में सवार कुछ लोगों ने उस व्यक्ति को दरवाजा खोलने से रोकने की कोशिश की लेकिन फिर भी वह आंशिक रूप से खुल गया था। एशियाना एअरलाइंस के अनुसार, विमान 194 यात्रियों के साथ दक्षिणपूर्वी शहर दाएगू से दक्षिणी द्वीप जेजु जा रहा था।

घातक साबित हो सकता है कोरोना का एक्सबीबी वैरिएंट

बीजिंग। चीन में कोरोना की नई लहर देखी जा रही है, जिसमें जून के आखिर तक हर हफ्ते 6.5 करोड़ मामले देखे जा सकते हैं। चीन के नेशनल क्लीनिकल रिसर्च सेंटर फॉर रेसपिरेटरी डिजीज के निदेशक झोंग नानशान की तरफ से ये बड़ा दावा किया गया है। नानशान का दावा है कि जून तक चीन में साढ़े छह करोड़ लोग हर हफ्ते कोरोना की चपेट में आ सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी अधिकारी नवीनतम ओमिक्रॉन वेरिएंट से लड़ने के लिए अपने वैक्सीन स्टॉक को बढ़ाने में लगे हुए हैं।

चीनी अधिकारी कोरोनो वायरस की चल रही नई लहर का मुकाबला करने के लिए टीकों को आगे बढ़ाने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। बता दें कि जून में कोविड संक्रमण के चरम पर पहुंचने की उम्मीद है और एक सप्ताह में ये 65 मिलियन लोगों को संक्रमित कर सकता है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा का मेगा प्लान, 30 मई से चलाएगी जनसंपर्क अभियान, मैदान में उतरेंगे दिग्गज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश भाजपा 30 मई से जनसंपर्क अभियान चलाएगी। राजनीतिक लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्य में भाजपा का यह प्लान आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर बेहद ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश में भाजपा अभी से ही अपनी तौयारी में जुट गई है। इसके लिए कई केंद्रीय मंत्री को बड़ी जिम्मेदारी भी दी गई है। दी गई जानकारी के मुताबिक भाजपा का यह अभियान सफल हो इसके लिए राज्य इकाई के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और राज्य महासचिव (संगठन) धर्मपाल सिंह लगातार राज्य स्तर से लेकर बूथ स्तर तक की तैयारियों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं।

हालांकि, भाजपा के इस प्लान पर राजनीति भी शुरू हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी प्रमुख अखिलेश यादव ने इसको लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के सांसदों और विधायकों ने काम किया होता तो भाजपा को अपने महा जनसम्पर्क अभियान के लिए बाहर से मंत्रियों को न बुलाना पड़ता। इसके साथ ही उन्होंने लिखा कि भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ता भी इसीलिए निराश व निष्क्रिय हैं। ये महा जनसम्पर्क अभियान बता रहा है कि भाजपा का गाँव-गरीब से सम्पर्क टूट चुका है। भाजपा के इस अभियान के तहत केन्द्रीय ऊर्जा, नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा मंत्री आरके सिंह कानपुर, अकबरपुर, जालौन तथा झांसी लोकसभा क्षेत्र के समूह प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे।

आरके सिंह के साथ सांसद व गुजरात के प्रदेश महामंत्री विनोद चावड़ा भी रहेंगे। केन्द्रीय विदेश, संस्कृति, राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी आगरा, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद तथा एटा लोकसभा क्षेत्र के समूह प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभालेगी। मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री मोहन यादव सीतापुर, बहराइच, कैसरगंज तथा गोण्डा लोकसभा क्षेत्र के समूह प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभालेगें। सांसद मनोज तिवारी उन्नाव, मोहन लालगंज, लखनऊ तथा बाराबंकी लोकसभा क्षेत्रों के समूह प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभालेगें। भाजपा ने व्यापक कार्यक्रम बनाया है और इसके लिए अलग-अलग लोगों को जिम्मेदारी सौंपी है।

हम इस पर विचार करने के इच्छुक नहीं

संसद भवन के उद्घाटन को लेकर दायर याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के नए संसद भवन के उद्घाटन की तराखी जैसे-जैसे नजदीक आ रही है। इसको लेकर रोज नए नए ट्वस्टि देखने को मिल रहे हैं। एक तरफ कांग्रेस समेत 21 विपक्षी दलों ने कार्यक्रम के बहिष्कार का ऐलान कर दिया है। वहीं मामाल देश की सर्वोच्च अदालत में भी दस्तक देता दिखा। अब सुप्रीम कोर्ट की तरफ से संसद भवन के उद्घाटन को लेकर दायर की गई याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भारत की प्रथम नागरिक और संस्था के प्रमुख राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए लोकसभा सचिवालय को निर्देश देने की याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने कहा कि हम जानते हैं कि आप ऐसी याचिकाएं क्यों दायर करते हैं, हम इस पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। बता दें कि गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें यह निर्देश देने की मांग की गई है कि नए संसद भवन का उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने कहा था कि लोकसभा सचिवालय ने राष्ट्रपति को उद्घाटन के लिए आमंत्रित नहीं करके संविधान का उल्लंघन किया गया। याचिका में कहा गया है कि राष्ट्र के मुखिया राष्ट्रपति को न बुलाना गलत है।

रूस ने बेलारूस में रणनीतिक परमाणु हथियार की तैनाती के लिये समझौते पर हस्ताक्षर किए

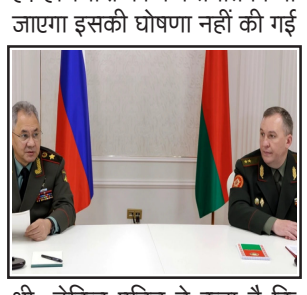

कीव। रूस और बेलारूस ने बृहस्पतिवार को बेलारूसी क्षेत्र पर रूसी परमाणु हथियारों को तैनात करने की प्रक्रिया को औपचारिक रूप देते हुए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। हालांकि हथियारों का नियंत्रण क्रेमलिन के पास रहेगा। इस कदम ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और बेलारूसी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको द्वारा पहले की गई सहमति को औपचारिक रूप दिया। पुतिन ने इस साल के शुरू में घोषणा की थी कि उनके देश ने बेलारूस में सामरिक, तुलनात्मक रूप से कम दूरी और कम प्रभाव वाले परमाणु हथियारों को तैनात करने की योजना बनाई है।

इस कदम को व्यापक रूप से पश्चिम के लिए एक चेतावनी के रूप में देखा गया जिसने यूक्रेन के लिए अपना सैन्य समर्थन बढ़ाया है। हथियारों को कब तैनात किया जाएगा इसकी घोषणा नहीं की गई थी, लेकिन पुतिन ने कहा है कि बेलारूस में उनके लिए भंडारण सुविधाओं का निर्माण एक जुलाई तक पूरा हो जाएगा। यह भी स्पष्ट नहीं है कि बेलारूस में कितने परमाणु हथियार रखे जाएंगे। अमेरिकी सरकार का मानना है कि रूस के पास लगभग 2,000 रणनीतिक परमाणु हथियार हैं, जिनमें बम शामिल हैं। इन्हें विमान द्वारा ले जाया जा सकता है और कम दूरी की मिसाइलों और तोपखानों द्वारा भी इन्हें दागा जा सकता है। रणनीतिक परमाणु हथियारों का उद्देश्य युद्ध के मैदान में दुश्मन सैनिकों और हथियारों को नष्ट करना है। करार पर हस्ताक्षर तब हुए जब रूस यूक्रेन के बहुप्रतीक्षित जवाबी हमले के लिए तैयार हो गया। रूसी और बेलारूसी दोनों अधिकारियों ने पश्चिम से शत्रुता से प्रेरित यह कदम उठाया। बेलारूस के रक्षा मंत्री विक्टर खेनिन ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई शोइगु के साथ बैठक के दौरान मिन्स्क में कहा, 'गैर-रणनीतिक परमाणु हथियारों की तैनाती हमारे लिए अमित्र देशों की आक्रामक नीति का प्रभावी जवाब है।

अमेरिकी सांसद खन्ना ने पीएम मोदी के संयुक्त सत्र को संबोधित करने की उम्मीद जताई

वाशिंगटन। अमेरिका के भारतीय मूल के सांसद रो खन्ना ने विश्वास जताया है कि प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष (स्पीकर) केविन मैक्कार्थी अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित करेंगे। मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन द्वारा अगले महीने आधिकारिक राजकीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया गया है। 'कांग्रेसनल इंडिया कॉकस' के सह-अध्यक्ष के रूप में खन्ना ने मंगलवार को मैक्कार्थी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वह मोदी को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए आमंत्रित करें। मैक्कार्थी के साथ बुधवार को एक बैठक के बाद खन्ना ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि अध्यक्ष संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए मोदी को निमंत्रण देंगे।

मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटने की अपील की

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र में पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने की अपील करते हुए कहा कि पार्टी को अब तक राज्य में एक मजबूत ताकत बन जाना चाहिए था। अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले राज्यवार संगठन की समीक्षा की श्रृंखला में बसपा प्रमुख मायावती ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के वरिष्ठ और जिम्मेदार नेताओं के साथ बैठक की। यहां बसपा की ओर से जारी बयान के अनुसार बैठक में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दुख जताया कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और मान्यवर कांशीराम की कर्मभूमि वाले महाराष्ट्र में उनकी पार्टी एक बड़ी राजनीतिक ताकत नहीं बन सकी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बसपा ने चार बार अपनी सरकार बनाकर कीर्तिमान स्थापित किया है। मायावती ने कहा कि महाराष्ट्र में खासकर आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए विशेष लगन की जरूरत है, जिसके लिए तन-मन और धन से अभी से सभी को लगने की जरूरत है। बसपा प्रमुख ने यह भी संभावना जतायी कि वहां लोकसभा के साथ ही विधानसभा के भी चुनाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में अनवरत जारी राजनीतिक सत्ता और स्वार्थ की लड़ाई, आपसी उठापटक और वैमनस्य के कारण राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। बसपा मुखिया ने महाराष्ट्र के 48 लोकसभा क्षेत्रों और 288 विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं से पूरी ताकत के साथ जुटने के लिए कहा।

झुग्गीवासी ढाई लाख रुपये में महाराष्ट्र सरकार के घर खरीद सकते हैं : फडणवीस

मुम्बई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि झुग्गी में रहने वालों को मुंबई महानगर क्षेत्र और पुणे में 2.5 लाख रुपये का भुगतान करके घर मिल सकता है। महाराष्ट्र के कई शहरी क्षेत्रों में होने वाले नगर निगम चुनावों की पृष्ठभूमि में यह प्रस्ताव आया है। इसके मद्देनजर दिन के दौरान एक सरकारी प्रस्ताव जारी किया गया था। फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, 'जब मैं मुख्यमंत्री था, तब वर्ष 2000 से पहले मुंबई में बसे झुग्गीवासियों की सुरक्षा के लिए एक कानून बनाया गया था। जो लोग वर्ष 2000 से 2011 के बीच बस गए थे, उन्हें घर आवंटित करने के लिए राज्य सरकार शुल्क लेती थी लेकिन यह तय नहीं था। अब हमने प्रति घर 2.5 लाख रुपये का फ्लैट शुल्क लेने का फैसला किया है।' महाराष्ट्र सरकार के झुग्गी पुनर्वास विभाग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश लोखंडे ने कहा कि इससे पहले ऐसे घरों की कीमत 10-12 लाख रुपये के बीच थी, जो निम्न आय वर्ग के अधिकतर लोगों के लिए सस्ती नहीं थी। लोखंडे ने कहा, 'फिलहाल 2,205 घर तैयार हैं, जिन्हें इस योजना के तहत झुग्गीवासियों को दिया जा सकता है। 700 से 800 घरों की कुछ योजनाएं भी कतार में हैं और इसे नियत समय में पूरा कर लिया जाएगा।' इस बीच, फडणवीस ने कहा कि लोगों को अधिक राहत देने के लिए केंद्र की प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) को भी इस '2.5 लाख रुपये में घर' योजना के साथ जोड़ा जा सकता है।

पेपर लीक मामले पर गहलोत ने पायलट पर कसा तंज

बोले-मुआवजे की मांग बौद्धिक दिवालियापन

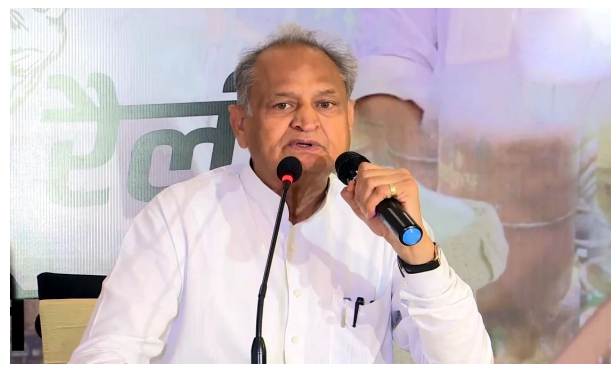

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का बिना नाम लिए एक बार फिर से उन पर निशाना साधा है। वर्तमान में देखे तो राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है। हालांकि, सचिन पायलट अपनी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। इसी कड़ी में पायलट की मांग को लेकर अशोक गहलोत ने उनपर निशाना साधा है। गहलोत ने कहा कि कई राज्य ऐसे हैं जहां पेपर लीक की घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि हमने राजस्थान में कानून बनाया और 200 लोगों को जेल भेजा। चूंकि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है इसलिए वह पेपर लीक की बात करने लगा है और उन्हें (उम्मीदवारों को) मुआवजा देने की बात कह रहा है। इसके साथ ही उन्होंने वहा मौजूद लोगो से पूछा कि आप इसे क्या कहेंगे? क्या इसे बौद्धिक दिवालियापन नहीं कहेंगे? दरअसल, सचिन पायलट पेपर लीक को बड़ा मुद्दा बना रहे हैं। ऐसे में कहीं ना कहीं गहलोत ने उनपर निशाना साधा है। गहलोत की टिप्पणी पायलट की प्रभावित उम्मीदवारों को मुआवजे की मांग के संदर्भ में थी, जिसका बाद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुछ नेताओं ने समर्थन किया था। पायलट की अन्य मांगों में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) को भंग कर उसका पुनर्गठन करना और रेगिस्तान राज्य में पिछले भाजपा शासन के दौरान भ्रष्टाचार की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन करना शामिल है। इससे पहले सचिन पायलट से अनबन के बीच अशोक गहलोत ने कहा था कि राज्य में कांग्रेस एकजुट होकर आगामी विधानसभा चुनाव लड़े और वह जीतेगी। गहलोत ने कांग्रेस के असंतुष्ट नेता सचिन पायलट द्वारा राज्य में अपनी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार को 'अल्टीमेटम' दिए जाने संबंधी सवाल को टालते हुए यह बात कही। इसके साथ ही गहलोत ने कहा कि कांग्रेस में सब लोग पार्टी आलाकमान के फैसले को मानते हैं। पायलट की मांगो पर गहलोत ने कहा कि ये तो मीडिया वाले ज्यादा फैला देते हैं बातों को। हम उन (बातों) पर विश्वास नहीं करते। हम तो मानते हैं कि पूरी कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव लड़े तो हम जीतकर आएंगे।'

'संसद भवन का उद्घाटन एक ऐतिहासिक अवसर'

विपक्ष के विरोध पर राजनाथ बोले-संवैधानिक और सार्वजनिक समारोह में अंतर समझना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर राजनीतिक बवाल जारी है। 20 विपक्षी दलों ने इसके बहिष्कार का ऐलान किया है। 28 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसका उद्घाटन करेंगे। हालांकि, विपक्षी दलों के अरोपों पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा बयान सामने आया है। राजनाथ ने कहा कि हमें संवैधानिक सत्र और सार्वजनिक समारोह में अंतर समझना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों से बहिष्कार के निर्णय पर फिर से विचार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 28 मई को प्रधानमंत्री नए संसद भवन को राष्ट्र को समर्पित कर भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में नया अध्याय जोड़ने जा रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नया संसद भवन भारत के लोकतांत्रिक संकल्प के साथ 140 करोड़ भारतीयों के स्वाभिमान और उनकी आकांक्षाओं की भी अभिव्यक्ति है।

राजनाथ ने आगे कहा कि संसद भवन का उद्घाटन एक एतिहासिक अवसर है जो 21वीं सदी में फिर नहीं आएगा। हमें संवैधानिक सत्र और सार्वजनिक समारोह में अंतर समझना चाहिए। मैं आग्रह करूंगा कि जिन राजनीतिक दलों ने बहिष्कार का निर्णय लिया है वे अपने फैसले पर राजनीतिक लाभ हानी से परे जाकर फिर विचार करें। दूसरी ओर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए कहूंगा। संवैधानिक मुखिया के अधिकार सिर्फ इसलिए नहीं छीने जा सकते कि वह एक आदिवासी महिला है। वह हमारे देश की राष्ट्रपति हैं। संसद का उद्घाटन राष्ट्रपति को ही करना चाहिए।

विपक्षी दलों द्वारा नए संसद के उद्घाटन का बहिष्कार करने पर जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि इस तरह का उद्घाटन समारोह छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में भी किया गया। कर्नाटक में जब विकास सौधा का उद्घाटन हुआ था तब उन्होंने रमा देवी को उस समय आमंत्रित नहीं किया था जबकि वह उस समय कर्नाटक की राज्यपाल थी। तो अब ये राजनीति क्यों...मैं उनसे पूछना चाहता हूं। अब वे राष्ट्रपति के प्रति बहुत स्नेह और सम्मान दिखा रहे हैं।

भारत-चीन सीमाः पैंगोंग झील पर भारत ने कर दिया कुछ ऐसा, ड्रैगन की बढ़ जाएगी बेचैनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के सीमा के पास लद्दाख में स्थित पैंगोंग लेक एक बार फिर से चर्चा में है। 2020 में हुए भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। जिसके बाद यहां सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। लेकिन अब टूरिस्ट पैंगोंग झील के करीब जाकर इसकी खूबसूरती का लुफ्त उठा सकते हैं। पहले चरण में पर्यटकों को 18 हजार से ऊंचे मर्सिमिक ला से त्सोगत्सालो तक जाने की परमीशन दी जाएगी। सूत्रों ने कहा, पर्यटकों को 18,314 फीट ऊंचे मर्सिमिक ला (पास) से त्सोगत्सालो तक जाने की अनुमति दी जाएगी, जो रिमडी चू और चांग चेनमो नदियों के संगम के पास एक चरागाह है, जो लेह से लगभग 160 किलोमीटर पूर्व में है। अनुसार दूसरे चरण में टूरिस्ट्स को हॉट स्प्रिंग्स तक जाने की अनुमति दी जाएगी। जो त्सोगत्सालु से आगे है। यहां 21 अक्टूबर 1959 को शहीद हुए 10 सीआरपीएफ जवानों के सम्मान में स्मारक भी बना है। उनकी पैट्रोलिंग टीम पर चीनियों ने हमला किया था। लद्दाख प्रशासन सीमा क्षेत्र के विकास पर केंद्र के फोकस के अनुरूप टूरिज्म के लिए खोलना चाहता है। स्थानीय लोग भी इसकी लंबे वक्त से मांग कर रहे हैं। पैंगोंग त्सो का अर्थ होता है उच्च घास भूमि पर झील। ये लद्दाख में लभगभ 4350 मीटर की ऊंचाई पर स्थित लैंड लॉक्ड झील है। ये विश्व में सबसे ऊंची खारे पानी की झील है। सर्दी के मौसम में इस झील का पानी जम जाता है। झील का एक तिहाई भाग भारत के पास है और दो तिहाई भाग चीन के नियंत्रण में है। इसके पश्चिमी भाग का 45 किमी क्षेत्र भारत के नियंत्रण में आता है जबकि शेष चीन के नियंत्रण में है। एलएसी रेखा झील के मध्य से होकर गुजरती है।

नई संसद के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा, कुमारस्वामी ने कांग्रेस से पूछा यह सवाल

नई दिल्ली। नए संसद भवन को लेकर राजनीति जारी है। 20 विपक्षी दलों ने नई संसद के उद्घाटन समारोह को बहिष्कार करने का फैसला लिया है। उनकी मांग है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बजाए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को करना चाहिए। इन सब के बीच मोदी सरकार को जेडीएस का साथ मिला है। जानकारी के मुताबिक पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा नई संसद के उद्घाटन समारोह में शिरकत करेंगे। जेडीएस पार्टी के प्रवक्ता प्रताप कनगल ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में तय हुआ है कि पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा नई संसद के उद्घाटन समारोह में शिरकत करेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह किसी विशेष पार्टी या संगठन का कार्यक्रम नहीं है।

कर्नाटक के पूर्व सीएम और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी का भी बयान सामने आ गया है। एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि अब, वे (कांग्रेस) राष्ट्रपति के लिए बहुत सम्मान और स्नेह दिखा रहे हैं। फिर उन्होंने उसके खिलाफ उम्मीदवार क्यों खड़ा किया? उन्होंने कहा कि अब वे कह रहे हैं कि वे (भाजपा) आदिवासियों का अपमान कर रहे हैं। यह सब केवल लोगों का ध्यान हटाने और समाज के एक वर्ग से वोट हासिल करने के लिए है। कांग्रेस ने नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बृहस्पतिवार को निशाना साधते हुए कहा कि 'एक व्यक्ति के अहंकार और स्व-प्रचार की इच्छा' ने देश की प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति को इस भवन का उद्घाटन करने के संवैधानिक विशेषाधिकार से वंचित कर दिया है। कांग्रेस, वाम दल, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी समेत 19 विपक्षी दलों ने संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने की घोषणा की और आरोप लगाया कि केंद्र की मौजूदा सरकार के तहत संसद से लोकतंत्र की आत्मा को ही निकाल दिया गया है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि संसद के नए भवन का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को करना चाहिए और अगर ऐसा नहीं होता है तो उनकी पार्टी उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगी। विपक्षी दलों द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने की घोषणा के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने उनकी निंदा की और उसके इस कदम को भारत के लोकतांत्रिक लोकाचार और संवैधानिक मूल्यों का घोर अपमान करार दिया।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज के दिन आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपको आज एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलती रहेगी। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को कोई सफलता मिलेगी और आप किसी बड़े निवेश को भी कर सकते हैं। शेयर मार्केट और सट्टेबाजी में धन का निवेश करने वाले लोगों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आप अपने भविष्य के लिए भी कोई धन संचय करने में कामयाब रहेंगे, लेकिन आपकी कोई पुरानी गलती परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती है।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। राजनीति में हाथ आजमा रहे लोगों को आज किसी बड़े नेता से मिलने का मौका मिलेगा और कार्यक्षेत्र में आप अपने गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें, नहीं तो वह आपके ऊपर हावी होने की कोशिश करेंगे। परिवार में किसी सदस्य से आपसी मतभेद होने के कारण चुप रहेंगे और उन्हें कुछ नहीं कह पाएंगे। आज किसी बात को लेकर आपका मन परेशान रहेगा। आपको अपने बेफिजूल के खर्चो पर रोक लगानी होगी।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए कई काम एक साथ हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है। आप अपनी शान शौकत की कुछ वस्तुओं की खरीदारी करेंगे, जिससे आपके साथियों को हैरानी होगी। आप जीवनसाथी को कही घुमाने फिराने लेकर जा सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी। आप परिवार के सदस्यों की जरूरतों पर पूरा ध्यान देंगे, लेकिन यदि किसी को धन उधार दिया था, तो वह आज आपको वापस मिल सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कर्क राशिः आज का दिन व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपकी कुछ रुकी हुई डील फाइनल होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा और जीवनसाथी से आपको अपने मन की किसी बात को कहने का मौका मिलेगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है, जिसमें परिवार के सभी सदस्य व्यस्त नजर आएंगे। छोटे बच्चे मौज मस्ती करके खुश रहेंगे। आप अपने मित्रों के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं, जिसमें आप माता पिता से पूछ कर जाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए उलझनें लेकर आने वाला है। आप अपनी चतुर बुद्धि से लोगों को आसानी से मात दे पाएंगे और कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आप आज किसी को धन उधार देने से बचें, नहीं तो आपने उस धन वापस आने की संभावना बहुत कम है। कार्यक्षेत्र में आपको मन मुताबिक काम मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा और यदि आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी, तो आप उसे लीक ना करें, नहीं तो कोई बाहरी व्यक्ति उसका फायदा उठा सकता है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहने वाला है। यदि माता-पिता से किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, तो वह आज दूर होगी, लेकिन आपको लोगों की बातों को सुनना व समझना होगा। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी की बातों में आकर किसी बडे निवेश को कर सकते हैं, जो बाद में आपको समस्या देगा। विद्यार्थियों को शिक्षा में यदि कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, तो वह उनके सीनियर्स की मदद से दूर होंगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए तरक्की दिलाने वाला रहेगा, लेकिन आप किसी पर आंख मूंदकर भरोसा ना करें और कार्यक्षेत्र में आपको अधिकारियों का पूरा साथ मिलेगा। किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। संतान को कोई शारीरिक कष्ट हो सकता है, जिसके लिए आप भागदौड़ में लगे रहेंगे। नौकरी के साथ-साथ यदि आप किसी पार्ट टाइम कार्य को करने की योजना बना रहे थे, तो उसके लिए भी आप समय निकालने में कामयाब रहेंगे। विवाह में यदि कोई बाधा आ रही थी, तो वह किसी मित्र की मदद से दूर होगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। गृहस्थ जीवन में किसी बात को लेकर तनातनी हो सकती है और संतान आपसे आज किसी छोटी मोटी चीज के लिए फरमाइशें कर सकती हैं। ससुराल पक्ष से आपको मान सम्मान मिलता दिख रहा है। आपको अपने जरूरी कामों को कल पर टालने से बचना होगा, नहीं तो समस्या हो सकती है और माता जी की सेहत के प्रति सचेत रहें, नहीं तो उनका कोई पुराना रोग फिर से उभर सकता है। आप किसी घर मकान दुकान आदि की खरीदारी की योजना भी बना सकते हैं।

धनु राशिःआज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति प्राप्ति के लिए रहेगा। घर परिवार में लोग आपकी बातों का पूरा मान रखेंगे और आपको किसी संपत्ति का सौदा करते समय उसके चल व अचल पहलुओं को स्वाधीनता से जांचना होगा, नहीं तो समस्या हो सकती है। विद्यार्थी अपनी परीक्षा में आ रही समस्याओं को लेकर अपने गुरुजनों से बातचीत कर सकते हैं। आपको अपने किसी मित्र के घर दावत पर जाने का मौका मिलेगा। परिवार में घर से दूर नौकरी में कार्यरत लोगों को अपने परिवार के सदस्यों की याद सकती है, जिसके बाद आप उनसे मिलने आ सकते हैं।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको कई काम हाथ लगने से आपके व्याकाग्रता बढ़ेगी और प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में भी आप आगे बढ़ेंगे। आपको आज घर व बाहर एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलती रहेगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा, लेकिन आपको यदि किसी धन संबंधित समस्या को लेकर कोई समस्या आ रही थी, तो वह भी आज दूर होगी। किसी बड़े लाभ के चक्कर में आप छोटे लाभ की ओर ध्यान नहीं देंगे, जिससे आपको कोई नुकसान भी हो सकता है। आप परिवार में किसी सदस्य के करियर को लेकर कोई निर्णय ले सकते हैं।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए सावधानी और सतर्कता बरतने के लिए रहेगा। आप अपने काम में सूझबूझ दिखाकर आगे बढ़े, तो आपके लिए अच्छा रहेगा। संतान की संगति की ओर आपको विशेष ध्यान देना होगा और किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है, जिसके बाद जीवनसाथी आपसे नाराज हो सकते हैं। आप कार्यक्षेत्र में किसी की बातों पर भरोसा ना करें। नौकरी में कार्यरत लोगों को तरक्की मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप मित्रों के साथ कुछ समय मौज मस्ती करने में भी व्यतीत करेंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए खर्च में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप बिजनेस के लिए भी कुछ नए उपकरणों की खरीदारी कर सकते हैं, लेकिन दिन की शुरुआत आपके लिए कमजोर रहेगी। आप अपने घर आज किसी भजन कीर्तन व पूजा-पाठ आदि का आयोजन करा सकते हैं, जिसमें परिजनों का आना जाना लगा रहेगा। आप बड़े सदस्यों से बातचीत करते समय वाणी की मधुरता को बनाए रखें व उनकी जरूरतों पर पूरा ध्यान दें, नहीं तो आपसे नाराज हो सकते हैं। आपको किसी को धन उधार देने से बचना होगा।

प्रसिद्धि पाने का शॉट कट शरीर प्रदर्शन

मुम्बई। आज दुनिया ने अपनी सहूलियत के लिए हर काम के लिए शॉर्ट कट बना रखे है। फिल्मों में प्रसिद्धि पाने का शॉर्ट कट शरीर प्रदर्शन है। शर्मिला टैगोर से लेकर कोमिला विर्क तक इस फॉर्मूले पर चलती आई हैं। कोमिला विर्क ने अभी तक फिल्मों में चाहे कोई स्थान न बनाया हो किंतु पत्र-पत्रिकाओं में उसके फोटो इस कदर छपते है कि शायद आज किसी टॉप की हीरोइन के भी नही छपते। यही कारण था कि मैं कोमिला विर्क को इंटरव्यू करने के लिए मज़बूर हो गया। कोमिला से फोन पर समय लेकर जब मैं उसेक फ्लैट पर पुहंचा तो पता चला कि रात घर पर पार्टी थी इसलिए वह लेट सोई है। ड्राइंग रूम में फूलों के बुकों का ढेर इस बात की गवाही दे रहा था कि रात वाकई वहां कोई पार्टी दे रहा था लेकिन इसके बावजूद वह उठ कर हमारे सामने आ बैठी नाइट लिबास से उसके शरीर का ऊपरी भाग उससे बगावत करके दावते नज़ारा दे रहा था।आजकल पत्र-पत्रिकाओं में आपके जिस प्रकार के फोटो छप रहे है उससे लगता है कि आप पब्लिसिटी के मामले में खूब दिल खोलकर हिस्सा ले रही है मैंने बातचीत शुरू करते हुए कहा क्या पब्लिसिटी के लिए इससे हट कर कोई रास्ता नही हो सकता? मैंने एक इंगलिश पत्रिका में छपे उसके पोज़ को चर्चा का विषय बना कर कहा।

देखिए, मैं मॉडर्न लड़की हूं। मैं हर प्रकार के लिबास पहनती हूं। आप किस पोज़ की चर्चा कर रहे है। उसमें मैं पूर्ण नग्न नही हूं। यह फोटोग्राफर के एंगल का कमाल है। दरअसल जब तक बोल्ड फोटो न हो तो लोग देखना तो दूर रहा अखबार वाले किसी नई लड़की का फोटो छापना भी पसंद नही करते। यही कारण है कि पिछले दिनों मेरे जितने फोटो भी फोटोग्राफरों ने लिए थे, वे सारे के सारे अखबारों में खूब बड़े-बड़े होकर छपे है। आज मैं नई हूं तो आप लोग इस तरह की बातें करते है वरना मुझसे पूर्व शर्मिला, सायरा आदि भी बिकनी में फोटो दे चुकी हैं। मैंने भी दे दिया तो कौन-सी बड़ी बात हो गई कोमिला ने बताया।जिस तरह पब्लिसिटी के मामले में ऐसा बोल्ड स्टेप उठाया है क्या आप फिल्मों में ऐसे पोज देंगी? मेरा मतलब न्यूडिटी और किसिंग आदि से है। मैं मॉडर्न जरूर हूं लेकिन पूर्ण न्यूड सीन तो नही करूंगी। दरअसल कल्चर इस बात की इज़ाजत नही देता। मैं इसीलिए वेस्ट की अंधाधुंध नकल के खिलाफ हूं। मैं शराब पीने और सिगरेट पीने को मॉडर्न नही समझती कोमिला ने कहा। अगर आपको सिद्धार्थ में सिम्मी वाला रोल दिया जाता या मेरा नाम जोकर जैसा सीन करने को दिया जाए तो आप करेंगी। मैंने पूछा। क्यों नही अगर कहानी डिमांड करती है और निर्देशक कन्विस कर देता है तो मुझे ऐसे रोल करने में कोई आपत्ति नही होगी। न्यूडिटी अपने तौर पर अश्लील नहीं है उसे किस प्रकार पेश किया जाता है, उसी से गंदगी पैदा होती है। अगर निर्देशक की नियत बुरी नही है तो कितना ही बोल्ड सीन हो वह आर्टिस्टिक ही लगेगा, कोमिला ने कहा। इम्तियाज, ने पिछले दिनों जो लेख छपवाया था, उसके बारे में क्या अपने कोई एक्शन लिया? वह गॉसिप वालों की शरारत है या पब्लिसिटी स्टंट? मैंने पूछा। दिल्ली से मैं यहां अपना कैरियर बनाने आई हूं। अभी इस स्थान पर नही पहुंची हूं कि किसी के खिलाफ कोई एक्शन ले सकूं। इस सूरत में लोग मुझ पर ही उंगलियां उठाएंगे यह तो इंडस्ट्री के कर्ता धर्ताओं का काम है कि वे एक्शन लें और सुना है कि उसके खिलाफ एक्शन लिया गया है। उसी मैगज़ीन में अपॉलॉजी छपी भी है। गॉसिप को बुरा नहीं समझती लेकिन शर्त यही है कि वह किसी सीमा में होना चाहिये। उससे किसी का दिल नही दुखना चाहिये। अन्यथा मेरे बारे मे कोई कुछ लिखे मैं किसी बात को सीरियसली नही लेती। कोमिला ने अपने मॉडर्न होने का प्रमाण देते हुए कहा। आप को मालूम है इम्तियाज़ को यह घटिया स्टंट बड़ा महंगा पड़ा है। उसे अगर पब्लिसिटी लेनी थी तो अपने नाम से लेता। हम लोगों के नामों का सहारा नही लेना चाहिये था। उसकी इस हरकत पर रेखा ने उसे अपनी सारी फिल्मों से कट कर दिया है। उसके एक्शन लेने पर जी।पी। सिप्पी ने भी उसे बड़ी डांट पिलाई है। शत्रुघ्न सिन्हा ने भी उसकी फिल्म चोर स्वामी रूकवा दी है। क्योंकि उसने एक इंटरव्यू में शत्रु पर खाक डालने की कोशिश की थी। कोमिला ने सहर्ष जानकारी देते हुए कहा। आपको इस इंडस्ट्री में आए कितना समय हो गया है? किस प्रकार आपको फिल्में मिलना शुरू हुई। कुछ इस पर प्रकाश डालिये। मैंने कहा। मुंबई आए अभी केवल तीन ही साल हुए है। शुरू में सबने ही डिसक्रेज किया, जिससे मैं मॉडलिंग में निकल गई। उसी दौरान देव आनंद ने मुझे मिस मुंबई का ताज पहनाया था, एक महीने बाद उन्होंने फोन करके मुझे बुलाया और इश्क इश्क इश्क के लिए अनुबंधित कर लिया। ऐसे ही अब्बास साहब (के। अब्बास) ने मेरा कहीं फोटो देखा तो संदेशा भिजवाया, मैं गई, बातचीत हुई। एक दिन बाद बुलाया और फासला के लिए साइन कर लिया। इसी प्रकार बृज कत्याल जी से मिली तो एक हफ्ते के अंदर उन्होंने भी प्रेमिका के लिए साइन कर लिया था। अभी तक फासला इश्क इश्क इश्क और चोरी मेरा काम रिलीज़ हो चुकी है किंतु मेरा काम हौच पौच होकर रह गया था। इनसे मुझे कोई फायदा नही हुआ। हालांकि साइन करते वक्त सब अच्छी लगी थी। कोमिला ने बताया मैं यहां हीरोइन बनने आई थी किंतु समय निकालने के लिए जो फिल्म मिली ले ली। अब के।ए। नारायण की फिल्म वृंदावन में हीरोइन का रोल मिला है। जो कि नाडिया टाइप का है किंतु मैं ऐसे ही रोल करना चाहती हूं एक ऐसा ही रोल राजेश खन्ना की 007 में मिला है।हमने सुना है कि 007 में पद्मिनी के अलावा राजेश खन्ना ने अन्य दोनों लड़कियों (केटी मिर्जा और कोमिला) के रोल कम करवा दिये है? मैंने पूछा।पद्मिनी मेरे साथ काफी फ्रैंडली है। उसने ऐसा कुछ नही बताया। हम तीनों एजेंट है और तीनों

के बराबर के रोल है। भोली कोमिला ने बताया (वह यह भूल गई कि राजेश ने पद्मिनी को हीरोइन बनाया है उसे रोल भी वैसा ही दिलवाएगा।)क्यों नही उसके बाद मैंने आठ फिल्में साइन की। मैंने फरवरी जुलाई तक बारह फिल्में साइन की थी आज कुल बीस फिल्मों में काम कर रही हूं कोमिला विर्क ने बताया।आप फिल्मों में किस प्रकार के रोल कर रही है और स्वंय किस प्रकार के रोल करना चाहती है? मैंने पूछा।फिलहाल तो पसंद का सवाल ही नही पैदा होता। इस वक्त हर प्रकार के रोल कर रही हूं जिनमें महागुरू में एक तवायफ का रोल है। ड्रीम गर्ल में धर्मेन्द्र की पहली प्रेमिका का रोल कर रही हूं प्रेमनाथ और डी।डी कश्यप मिलकर वाजिद अली शाह बनाने वाले है। जिसमें मैं वाजिद अली शाह की बेगम का रोल करने वाली हूं वाज़िद अली शाह प्रेमनाथ होंगे। कोमिला ने बताया हां एक फिल्म ऋषि की भी करने वाली हूं। आप अकेली रहती है। क्या आपको अकेलापन अखरता नही है? अपना समय कैसे काटती है? मैंने पूछा।मुझे अकेलापन अखरता नही है। मेरे साथ मेरी मम्मी और कज़िन सिस्टर रहती है फिर मेरी कुछ गैर फिल्मी सहेलियां वह आ जाती है और अगर कोई नही होता तो नॉवल पढ़ा करती हूं।हीरोज़ में राजेश खन्ना, धर्मेन्द्र और हीरोइनों में जया, शर्मिला, वहीदा रहमान और मुमताज मेरे फेवरेट स्टार्स है।जी हा, मेरी रिषि दा (ऋषिकेश मुखर्जी) और गुलज़ार के साथ काम करने की बड़ी तमन्ना है।अच्छा यह बताइये हिंदी फिल्मों में हीरोइनों को जिस अंदाज से प्रस्तुत किया जा रहा है उसके बारे में आपका क्या ख्याल है? हिंदी फिल्मों में औरतों की महत्ता बहुत कम है। हेमा मालिनी के अलावा सबके रोल बरापु य-नाम होते है। पता नही यह हमारा दोष है या निर्माताओं को हीरोइन ओरियेंटिड कहानियां नही मिलती है। हीरोइनों को तो डेकोरेटिड पीस बना कर रख दिया गया है। कोमिला ने खेद पूर्वक अपना विचार प्रकट करते हुए कहा।क्या आप मायापुरी पढ़ती है? बाकायदा खरीद कर पढ़ती हूं और इसलिए पसंद करती हूं कि वह पीली पत्रकारिता से पाक है। इसके मैटर के साथ इसके स्थाई कॉलम बहुत रोचक है कोमिला विर्क ने कहा,इंटरव्यू खत्म करके हम उठने लगे तो इतने में नौकरानी चाय लेकर आ गई। चाय खत्म की तो कोमिला रात के बुके उठा लाई। बोली इतने सारे बुके जमा हो गए है कि अगर दुकान लगाना चाहूं तो बहुत बड़ी दुकान लग जाए लेकिन ऐसा हो नही सकता लीजिए एक-एक आप लेते जाइये। रात मैंने बर्थडे पार्टी मनाई जरूर लेकिन खालिस घरेलू अंदाज में बहुत दिनों से लोगों के यहां शरीक होती आई थी उनका बदला चुकाना था इसलिए मना ली। लेकिन अक्तूबर में मैं खालिस फिल्मी पार्टी दूंगी उसमें आप जरूर आइयेगा कोमिला ने पेशगी दावत देते हुए कहा। हम वहां से रूख्सत हुए तो उसकी बातों की मिठास हमारे कानों में, फूलों की खुशबू दिमाग में बसी हुई थी। उसके अभिनय की महक तो उसकी आने वाली फिल्में देखकर ही मालूम होगी। उसकी चंद खास फिल्में यह है ड्रीम गर्ल, महागुरू, बुलेट, 007, हेरा फेरी, अमर अकबर एंथनी, दरिन्दा, छोटी सी बात, चोर सिपाही, जिंदा, दुनिया मेरी जेब में और वृंदावन व राज करेगा खालसा (पंजाबी) इन आखिरी दो फिल्मों में वह हीरोइन का रोल कर रही है फिल्में देखकर यदि आप कोमिला विर्क को पत्र लिखें तो उसे बड़ी खुशी होगी।

फिल्म 'बाजीगर' में श्रीदेवी को लेना चाहते थे अब्बास मस्तान? शाहरुख खान के कारण बदलना पड़ा प्लान?'

नई दिल्ली। बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान ने पर्दे पर कई दमदार किरदार निभाए हैं। इन्हीं किरदारों को पर्दे पर जिंदा कर देने की उनकी कला के कारण ही उन्हें बॉलीवुड का बादशाह कहा जाता है। शाहरुख खान ने कॉमेडी, एक्शन, डॉन, रोमांटिक सहित निगेटिव किरदार भी निभाए हैं। शाहरुख खान ने फिल्म अंजाम और बाजीगर में विलेन का रोल प्ले किया था। उन्हें लोगों ने विलेन के रोल में भी काफी पसंद किया था। सालों बाद शाहरुख खान की फिल्म बाजीगर से जुड़ी एक खबर का खुलासा हुआ है। फिल्म बाजीगर को निर्देशक अब्बास मस्तान ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में लीड रोल शाहरुख

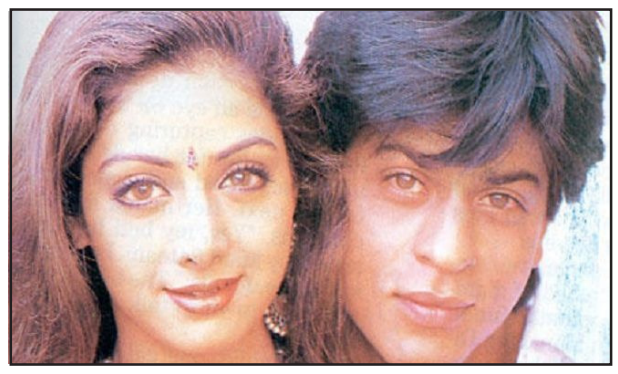

खान का था और लीड एक्ट्रेस में काजोल थी। फिल्म में शिल्पा शेट्टी का भी अहम रोल था।

फिल्म से जुड़ी बात ये है कि पहले फिल्म में काजोल या शिल्पा शेट्टी को नहीं बल्कि श्री देवी को कास्ट किया जा रहा था। अब्बास मस्तान चाहते थे कि फिल्म में श्रीदेवी ही हो और वही दोनों बहनों का किरदार डबल रोल में निभाए। उस समय शाहरुख खान इतने बनें स्टार नहीं थे कि वह श्रीदेवी जैसी स्टार के सामने टिक सकते थे। अब्बास ने शाहरुख खान के किरदार को फिल्म में मजबूती देने के लिए फिल्म में श्रीदेवी को लेने का आइडिया ड्रोप कर दिया। श्रीदेवी का उस समय स्टारडम था। श्री देवी का फिल्म में होना ही फिल्म को सुपरहिट करवा देता था। ऐसे में निर्देशक चाहते थे कि श्रीदेवी की वजह से शाहरुख खान गायब हो जाएंगे। इस लिए उन्होंने स्क्रिप्ट में थो परिवर्तन किया और फिल्म में कजोल और शिल्पा को ले लिया। फिल्म में भले ही शाहरुख खान का किरदार विलेन का हो लेकिन काजोल के साथ उन्हें लोगों ने काफी पसंद किया और दर्शकों को एक नई हिट जोड़ी फिल्म गई।

अपने प्यार को पाने के लिए अंधविश्वास के अंधेरे का सहारा लेने लगी थीं दिव्यांका

नई दिल्ली। एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी टीवी का आज जाना पहचाना चेहरा हैं। एकता कपूर के मशहूर टीवी शो ये हैं मोहब्बते से दिव्यांका घर-घर में फैमस हो गई। इस शो में दिव्यांका ने लंबे समय तक काम किया और लोगों के दिलों में जगह बनाई। लोगों के प्यार के कारण आज दिव्यांका किसी सुपरस्टार से कम नहीं हैं। दिव्यांका इस दौरान घर पर अपने पति विवेक दहिया के साथ समय बिता रही हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी तस्वीरें शेयर करती

दहिया से शादी की थी। विवेक के जिंदगी में मल्होत्रा के साथ रिलेशनशिप में थी। दोनों के प्यार के रिश्ते के बारे में हर किसी को दुल्हन में दिव्यांका त्रिपाठी और एक्टर शरद को भी दोनों की केमिस्ट्री काफी पसंद थी। जिसके बाद उन्हें एकता कपूर ने अपना नया त्रिपाठी का करियर ग्राफ भले ही उपर उठ गई थी। दिव्यांका त्रिपाठी और शरद मल्होत्रा हैं। दिव्यांका त्रिपाठी ने 2016 में एक्टर विवेक आने से पहले दिव्यांका त्रिपाठी एक्टर शरद आठ साल के लंबे रिलेशनशिप में थे। दोनों पता था। जी के मशहूर टीवी शो बनूँ मैं तेरी मल्होत्रा की जोड़ी साथ नजर आयी थी। दर्शकों शो ने दिव्यांका त्रिपाठी को नयी पहचान दिलाई शो ये हैं मोहब्बते ऑफर किया। दिव्यांका रहा हो लेकिन निजी जिंदगी में तबाही आ का आठ साल पुराना रिश्ता टूट गया था। दिव्यांका त्रिपाठी ने शरद मल्होत्रा को अपनी जिंदगी में वापस लाने के लिए बहुत कुछ किया लेकिन शरद वापस नहीं आये। एक बाद ये भी है कि जब कोई किसी को प्यार करता हैं तो वह उसे वापस पाने की हर कोशिश करता है दिव्यांका त्रिपाठी ने भी की थी। दिव्यांका त्रिपाठी का एक सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने बताया की वह अपने प्यार को पाने के लिए किय हद तक चली गयी थी। दिव्यांका, राजीव खंडेलवाल चैट शो जज़बात में बात करते हुए बताती है कि वह शरद को बहुत प्यार करती थी। विश्वास नहीं कर पा रही थी कि आठ साल का रिश्ता ऐसे अचानक कैसे टूट गया। उन्होंने कहा कि मैं उस दौरान बहुत अजीब लोगों से मिलने लग गयी थी वह कहते थे कि शरद पर किसी ने कुछ करवा दिया है। मैं अंधविश्वास का सहारा लेने लग गयी थी। फिर एक दिन सोचा कि किसी को पाने के लिए ये सब करना पड़ रहा है तो क्या सच में ये प्यार है। ये सब करने से अच्छा है कि मैं अकेले ही रह लूं। फिर मैं आगे बढ़ गयी।

वाणी कपूर के डूबते फ़िल्मी कॅरियर को मिला रणबीर कपूर का सहारा

मुम्बई। 'शुद्ध देसी रोमांस' से बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री करने वाली एक्ट्रेस वाणी कपूर, अपने फ़िल्मी कॅरियर में कुछ कमाल नहीं कर पाई। हालांकि, इसके अलावा भी उन्होंने दो-चार फ़िल्में और कीं, लेकिन वो दर्शकों की वाहवाही लूटने में नाकामयाब रही।बताया जा रहा है कि अब एक्ट्रेस के डूबते कॅरियर को रणबीर कपूर का सहारा मिला है और वो उनके ओपोजिट फ़िल्म 'शमशेरा' में नज़र आएंगी। मीडिया रिपोटस के मुताबिक, रणबीर स्टारर इस फ़िल्म में उनकी को-स्टार वाणी कपूर होंगी। हालांकि, ऐसा पहली बार होगा, जब बॉलीवुड की ये जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ नज़र आएगी। ख़बर के अनुसार, फ़िल्म 'शमशेरा' में वाणी कपूर की एक्टिंग देखने को मिल सकती है, लेकिन अब तक इस बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। आखिरी बार वो रणवीर सिंह के साथ 2016 में आई 'बेफ़िक्रे' में नज़र आई थी। वहीं संजय दत्त की बायोपिक 'संजू' के अलावा रणबीर कपूर की झोली में 'ब्रह्मास्त्र' भी है। फ़िल्म 'शमशेरा' के बारे में रणबीर का कहना है कि 'मुझे शमशेरा जैसी मूवी की तलाश थी। मैं हिंदी कमर्शियल सिनेमा देखते-देखते ही बड़ा हुआ हूं। इसके साथ ही मेरे दिमाग़ में एक छवि थी कि फ़िल्म के हीरो को क्या करना चाहिए और क्या नहीं? यही नहीं, मैंने फ़िल्म को लेकर जो कुछ भी सोचा था, वो सब मुझे इस फ़िल्म में करने को मिलेगा। इसके अलावा मैं इस प्रोजेक्ट को लेकर काफ़ी उत्साहित हूं। मेरे डायरेक्टर करण मल्होत्रा मुझे मेरे कंफर्ट ज़ोन से बाहर निकाल देंगे।' बताया जा रहा है कि इस साल के अंत तक फ़िल्म 'शमशेरा' की शूटिंग शुरू हो जाएगी। साथ ही इसमें संजू बाबा विलेन के किरदार में नज़र आ सकते हैं। वहीं करीब 9 साल बाद रणबीर यशराज बैनर के साथ काम करने जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने भैंइ बैनर तले बनी, 'रॉकेट सिंहः सेल्समैन ऑफ द ईयर' में काम किया थां फ़िल्म करण मल्होत्रा के डायरेक्शन में बन रही है। इससे पहले उन्होंने यशराज बैनर के लिए 'अग्निपथ' और 'ब्रदर्स' जैसी फिल्मों को डायरेक्ट किया था।

मैंने सोचा था कि कयामत से कयामत तक' में मुझे कोई पसंद नहीं करेगा : आमिर

मुम्बई। अभिनेता आमिर खान के करियर का ग्राफ भले ही कयामत से कयामत तक' फिल्म से काफी ऊंचा उठ गया हो लेकिन वह खुद मानते हैं कि वह इस फिल्म में अपने अभिनय से खुश नहीं थे।यह रोमांटिक ड्रामा फिल्म 29 अप्रैल 1988 को रिलीज हुई थी और यह क्लासिक दुखांत प्रेम कहानी रोमियो एंड जुलियट का आधुनिक रूप था। इस फिल्म से आमिर खान और जूही चावला सुपरस्टार हो गए थे। इस फिल्म के 30 साल होने के मौके पर इसकी विशेष स्क्रीनिंग कल रात हुई थी। इस मौके पर इस फिल्म के निर्देशक मंसूर खान, संगीतकार आनंद मिलिंद सहित अन्य कलाकार मौजूद थे।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।